छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 74 ■ अम्बिकापुर, रविवार 15 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

बीमा कंपनी को 45 दिन के अंदर एकमुश्त 23 लाख रुपये जमा करने के निर्देश

नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय व सीतापुर न्यायालय के 3700 से अधिक व राजस्व न्यायालयों के 4200 से अधिक लंबित प्रकरणों का निपटारा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा अंबिकापुर के मार्गदर्शन में 14 मार्च को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर अंतर्गत के सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय एवं सीतापुर न्यायालय में 3700 से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी प्रकार राजस्व न्यायालयों में 4200 से अधिक प्रकरणों, किशोर न्याय बोर्ड के 39 तथा परिवार न्यायालय के

12 प्रकरणों का आपसी राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया एवं लाखों की संख्या में प्री-लिटिगेशन मामलों का निराकरण किया गया।

नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एल. चरयाणी के खण्डपीठ क्रमांक 01 के समक्ष निराकृत प्रकरणों में 01 प्रकरण मोटर दुर्घटना से संबंधित रहा। आवेदकगण के पति, पिता एवं पुत्र की मृत्यु हो जाने पर इनके द्वारा मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 166 के तहत 74 लाख 10 हजार रुपये क्षतिपूर्ति दिलाने का दावा प्रकरण अनावेदक रामधनी कौशिक, प्रह्लाद सिंह एवं मण्डल प्रबंधक, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के विरुद्ध प्रस्तुत किया था। लोक अदालत में आवेदक ने अनावेदक क्रमांक 3 बीमा कंपनी से खण्डपीठ क्रमांक-1 के पीठासीन अधिकारी के.एल. चरयाणी, विनोद शर्मा एवं बलराम सोनी के समक्ष स्वेच्छा से 23 लाख रुपये में राजीनामा किया, जिस कारण प्रकरण का निराकरण मात्र 04 माह 11 दिवस के भीतर संभव हो गया। मामले में मृतक की 2 वर्षीय अवयस्क पुत्री एवं वृद्ध माता-पिता शामिल हैं। मामले का कम समय में निपटारा होने से आवेदकगण संतुष्ट नजर आए। अनावेदक बीमा कंपनी को एकमुश्त 23 लाख रुपये अधिनिर्णय दिनांक से 45 दिन के भीतर जमा करने हेतु निर्देशित किया गया है।

पांच से 8 वर्ष के लंबित प्रकरणों का निराकरण

द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश तिवारी जी के खण्ड पीठ क्रमांक 04 के समक्ष निराकृत प्रकरणों में भी 01 मोटर यान दुर्घटना से संबंधित प्रकरण लगभग पांच वर्ष से लंबित था, इसका आपसी राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया। इसी प्रकार पल्लव रघुवंशी मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के खण्ड पीठ क्रमांक 06 के द्वारा पांच वर्ष से अधिक एवं न्यायिक दण्डाधिकारी कल्पना भगत के खण्ड पीठ क्रमांक 09 के द्वारा 08 वर्ष से अधिक समयावधि से लंबित चेक अनादरण प्रकरणों का सफलता पूर्वक निराकरण किया गया।

मयूरी ई-रिक्शा शो-रूम और गोदाम में लगी भीषण आग से लाखों का सामान जलकर खाक

फायर मैनों ने आग बुझाने झोंकी ताकत, संजय पार्क के पास हाइवे में लगा जाम

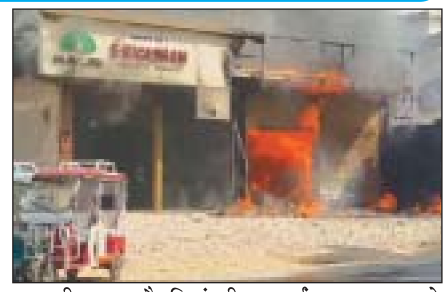

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर-रामानुजगंज मार्ग, नेशनल हाइवे क्रमांक 343 में संजय वन वाटिका के पास स्थित मयूरी ई-रिक्शा, केन गुप्ता एजेंसी में शनिवार की दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। आग से ई-रिक्शा के अलावा डीजे सांउड सिस्टम, एम्पलीफायर, बैटरी जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 3 टीमें मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से करीब 50-60 लाख की क्षति का अनुमान लगाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक संजय पार्क के पास बौरीपारा निवासी देवेन्द्र गुप्ता का मयूरी ई-रिक्शा एजेंसी है। यहां ई-रिक्शा के अलावा डीजे साउंड सिस्टम बनाया जाता है। दोपहर करीब 2 बजे साउंड सिस्टम वाले दुकान से धुआं निकलते देख दुकान कर्मचारी ने इसकी सूचना दुकान संचालक के पुत्र को दी। उन्होंने तत्काल फायर स्टेशन को इसकी जानकारी दी और स्वयं अन्य लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग बुझने के बजाए फैलती ही चली गई। दुकान में ई-रिक्शा का लाखों का कलपुर्जा, वहीं इससे लगे एक अन्य गोदाम में बड़ी संख्या में साउंड सिस्टम व एम्प्लीफायर, माइक सहित अन्य सामान रखे थे। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया, और आग की चपेट में शो-रूम में रखे ई-रिक्शा के अलावा साउंड सिस्टम, एम्पलीफायर, बैटरियां भी आ गईं। लगभग आधे घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग विकराल रूप ले लिया था। इलेक्ट्रॉनिक सामान में लगी आग इतनी भीषण थी कि मौके पर अग्निशमन विभाग की अतिरिक्त टीमों को बुलाना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन शो-रूम और गोडाउन में रखा कई लाख का सामान जलकर खाक हो गया था। शॉर्ट-सर्किट या चार्जिंग के दौरान बैटरी फटने से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। आग लगने की घटना में दुकान संचालक को वास्तव में कितना नुकसान पहुंचा है, इसका आंकलन फिलहाल नहीं हो पाया है।

वाहनों को डायवर्ट मार्ग से भेजा गया

रामानुजगंज मार्ग पर भीषण आग लगने की सूचना मिलने पर मौके पर एएसपी पहुंचे, और पुलिस टीम के साथ डटे रहे। आग की भयावहता को देखते हुए दो घंटे के अंदर 5 दमकल की गाड़ियों को बुलाना पड़ा। इस दौरान मार्ग में जाम की स्थिति निर्मित हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम द्वारा आवागमन को सुचारू करने के साथ ही दमकल वाहनों के लिए रास्ता क्लीयर कराने मशक्कत करती रही। इस दौरान एनएच पर दोनों ओर भारी वाहनों की लाइन लग गई थी, जिस कारण पुलिस ने डायवर्ट मार्ग से वाहनों का आवागमन शुरु कराया।

ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में ट्रक चालक को 10 हजार रुपये अर्थदंड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना बतौली पुलिस ने शराब का सेवन करके ट्रक चालन के मामले में कार्रवाई करते हुए मामला न्यायालय को सौंपा था। मामले में न्यायालय ने 10 हजार रुपये के अर्थदंड से चालक को दण्डित किया है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना बतौली पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईबी 8183 को रोका, तो ट्रक चालक रुपेश पोयाम पिता राम सुन्दर पोयाम 24 वर्ष निवासी बिमलापुर थाना त्रिकुंडा थाना बलरामपुर शराब के नशे में मिला। ट्रक चालक का डॉक्टरी मुलाहिजा कराए जाने पर शराब के नशे में धुत्त होना पाया गया। ट्रक चालक ने शराब के नशे में वाहन चलाना पाए जाने पर वाहन चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

न्यायालय द्वारा उपरोक्त प्रकरण में ट्रक चालक को 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर एवं अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे।

सरकारी और निजी स्कूलों में 5वीं की 16 मार्च से और 8वीं की 17 मार्च से परीक्षा होगी शुरू

एकीकृत बोर्ड परीक्षा के लिए गोपनीय सामग्री का किया गया वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सत्र 2025-26 में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में एकीकृत बोर्ड परीक्षा के नियमों के तहत एक साथ परीक्षा आयोजित की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार कक्षा पांचवी की परीक्षा 16 मार्च से प्रारंभ और 27 मार्च को समाप्त होगी। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक निर्धारित है। कक्षा आठवीं की परीक्षा 17 मार्च को प्रारंभ होगी, समापन 06 अप्रैल 2026 को होगा। परीक्षा का समय सुबह 9 से 12 बजे है। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्रियों का वितरण अंबिकापुर के शासकीय मल्टीपरपज स्कूल से शनिवार को किया गया। प्राचार्यों को प्रश्नपत्र के सील बंद पैकेट वितरित किए गए। दिए गए प्रश्नपत्रों के पैकेट का मिलान करने के बाद पेटी में गोपनीय सामग्रियों को रखकर सील किया

गया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रश्न पत्रों को बस से लेकर प्राचार्य रवाना हुए, और संबंधित परीक्षा केंद्र के समीप थाने में जमा कराया।

सरगुजा जिले के सात विकासखंडों अंबिकापुर, बतौली, लखनपुर, लुण्ड्रा, मैनपाट, सीतापुर व उदयपुर में केंद्रीयकृत पांचवीं की प्राथमिक शाला परीक्षा के लिए 1563 और आठवीं की परीक्षा के लिए 751 केंद्र बनाए गए हैं। 5वीं में 16867 व 8वीं में 13962 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। प्रश्नपत्र के वितरण को लेकर शनिवार को शासकीय मल्टीपरपज स्कूल में गहमागहमी बनी रही। प्रश्नपत्र परिवहन के लिए 23 मार्गों का

कक्षा 5वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम-टेबल

16 मार्च गणित, 19 मार्च अंग्रेजी, 23 मार्च हिंदी, 25 मार्च पर्यावरण, 27 मार्च को उर्दू विशिष्ट मदरसा बोर्ड हेतु।

कक्षा 8वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम-टेबल

17 मार्च गणित, 20 मार्च हिंदी, 24 मार्च अंग्रेजी, 30 मार्च सामाजिक विज्ञान, 2 अप्रैल विज्ञान, 6 अप्रैल संस्कृत/उर्दू संस्कृत।

निर्धारण किया गया था। परीक्षा के बाद 30 मार्च से ही कक्षा 5वीं का और 04 अप्रैल से कक्षा 8वीं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रश्पपत्रों के वितरण के बाद से ही इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। बता दें कि केंद्रीयकृत परीक्षा प्रणाली के तहत स्कूल शिक्षा विभाग से संबद्ध सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए एक समान प्रश्नपत्र का वितरण किया जाएगा। प्रश्नपत्र में ही उत्तर लिखने के लिए जगह रहेगी। पांचवीं की परीक्षा के लिए 50 अंक होगा, इसमें प्रोजेक्ट पर 10 नंबर और 40 नंबर लिखित परीक्षा के लिए तय किए गए हैं। आठवीं की परीक्षा 100 नंबर की होगी, 20 नंबर प्रोजेक्ट पर मिलेगा, 80 नंबर की लिखित परीक्षा होगी। परीक्षा में किसी भी छात्र को अनुत्तीर्ण नहीं किया जाएगा।

पुलिस को देखकर बांस बाड़ी का घेरा फांदकर जंगल की ओर भागे गांजा तस्कर

स्कार्पियो के साथ विधि से संघर्षरत बालक गिरफ्तार, फरार आरोपियों के तलाश में पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांजा तस्करी के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने स्कार्पियो वाहन में सवार विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 14 किलोग्राम गांजा, मोबाइल फोन और स्कार्पियो वाहन पुलिस ने बरामद कर लिया है। जब्त किए गए गांजा की कीमत 02 लाख 80 हजार रुपये व स्कार्पियो वाहन की कीमत 10 लाख रुपये है। पूछताछ में बालक ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर गांजा लैलूंगा से खरीद कर बिक्री करने के लिए लाना बताया है। मामले में शामिल अन्य आरोपी मौका पाकर फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री एवं तस्करी में संलिप्त आरोपियों पर लगातार पैनी नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में 14 मार्च को थाना कोतवाली पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना मिली कि काले रंग के स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 30 एफ 8689 में तीन-चार संदिग्ध युवक अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री करने के लिए बांस बाड़ी रोड अंबिकापुर में ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेहियों तक पहुंच पाती, इसके पहले पुलिस को वाहन की ओर आते देखकर स्कार्पियो वाहन से चार लोग निकलकर दौड़ते बांस बाड़ी का घेरा फांदकर जंगल की ओर भाग गए। पुलिस टीम ने आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन जंगल, झाड़ का फायदा उठाकर वे फरार होने में सफल हो गए। पुलिस को मौके पर खड़ी स्कार्पियो वाहन में एक विधि से संघर्षरत बालक मिला, जिसे भागने का मौका नहीं मिल पाया। स्कार्पियो वाहन की तलाशी लेने पर पीछे दोनों सीट के बीच में रखा हुआ एक प्लास्टिक बोरा मिला, जिसमें 14 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा था। विधि से संघर्षरत बालक से पूछताछ करने पर उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर लैलूंगा से गांजा खरीदकर लाने एवं पुड़िया बनाकर ग्राहकों को बेचने की स्वीकारोक्ति की। विधि से संघर्षरत बालक के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कार्पियो वाहन एवं मोबाइल बरामद किया गया है। मामले में थाना कोतवाली में धारा 20(बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में बालक को गिरफ्तार कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अन्य फरार आरोपियों के तलाश में पुलिस लगी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह व सूरज राय, आरक्षक लालबाबू सिंह, अमरेश दास, जगेश्वर तिर्की, मंटू गुप्ता, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

वन अमले ने जंगल में आग लगाते रंगे हाथ युवक को पकड़ा

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के वन क्षेत्र में आग लगाकर जंगल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले एक युवक को वन विभाग की टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। मामले में आरोपी को गिरफ्तार करके वन अमले ने अपराध दर्ज कर लिया है। वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देश और उपवनमंडलाधिकारी अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार वनपरिक्षेत्र बलरामपुर के सर्किल बरदर पीपराही बीट के कक्ष क्रमांक पी-3335 में ग्राम बरदर निवासी संतोष पिता भागीरथी जंगल में आग लगाते हुए पकड़ा गया। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 22043/04 दर्ज करते हुए भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1)घ तथा वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई में वनपरिक्षेत्राधिकारी निखिल सक्सेना, वन क्षेत्रपाल प्रह्लाद तिवारी, वनपाल घासीराम, देवीलाल, वनरक्षक राजेश राम, संजीव सिंह, अजीत कुजूर सहित वन विभाग की टीम मौके मौजूद रही।

रसोई गैस सिलिंडर भंडारण को लेकर प्रशासन सजग

छापामार कार्रवाई के दौरान 35 नग गैस सिलिंडर जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले के भटगांव तहसील अंतर्गत ग्राम करकोली नया में घरेलू गैस के अवैध भंडारण के खिलाफ संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई की और 35 नग खाली और भरा गैस सिलिंडर जब्त किया है। प्रशासन को सूचना मिली थी कि ग्राम करकोली नया के महेश गुप्ता पिता नारायण गुप्ता के गोदाम में घरेलू गैस सिलिंडरों का अवैध भंडारण किया गया है। सूचना के आधार पर राजस्व, खाद्य और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान गोदाम में 23 भरे हुए और 12 खाली सिलिंडर मिले। इन्हें जब्त कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि गैस सिलिंडरों का भंडारण निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं किया गया था। मौके पर कोई वैध लाइसेंस या अनुमति भी प्रस्तुत नहीं की जा सकी। मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन का अभियान जारी

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में रसोई गैस सिलिंडर के अवैध भंडारण और कालाबाजारी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। ऐसी जानकारी मिलने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया गया है, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

मुख्यमंत्री ने किया गौधाम योजना का शुभारंभ

★ निराश्रित गौवंश को मिलेगा सुरक्षित आश्रय ★ देवीगंज में जिले के प्रथम सुरभि गौधाम का वर्चुअल शुभारंभ ★ गौवंश संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। निराश्रित एवं घुमंतू गौवंशीय पशुओं के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके समुचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा गौधाम योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के माध्यम से गौवंशीय पशुओं को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के साथ ही वैज्ञानिक पद्धति से उनके संरक्षण और प्रबंधन की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गौधाम लाखासार एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रेक्षागार, बिलासपुर से गौधाम योजना का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थापित गौधामों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण भी किया गया।

इसी क्रम में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के प्रथम सुरभि गौधाम श्याम-श्यामा गौशाला, देवीगंज का भी वर्चुअल रूप से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, गौसेवा आयोग के जिला अध्यक्ष श्री आषीष केषरी, जिला पंचायत सदस्य श्री बद्री यादव, जनपद उपाध्यक्ष श्री सुनील तिवारी, गणमान्य नागरिक श्री भानूप्रकाष दीक्षित, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी जूड़ रही है। जिसके तहत 29 गौधाम का शुभारंभ किया जा रहा है, जिसमें गौवंषीय पशुओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देष में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है और गौवंष की सेवा करना हमारा कर्तव्य ही नहीं हमारा धर्म भी है। गौधाम योजना के तहत प्रषिक्षण केन्द्र का भी शुभारंभ किया जाएगा, जिसमें कृषकों एवं पशुपालकों को प्रषिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की मंषा है कि पशुपालकों की आय में वृद्धि हो इसके लिए विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है, जिसमें पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि आज हमारे लिए ऐतिहासिक दिन है, आज मुख्यमंत्री के द्वारा गौधाम योजना का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार निराश्रित एवं घुमंतू आवारा पशुओं की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत आज 29 गौधाम का शुभारंभ हुआ है। गौधाम में सड़कों पर घुमने वाले निराश्रित आवारा पशुओं को रखा जाएगा। जहां उनके लिए समुचित व्यवस्था होगी। साथ ही उनके देखभाल के लिए गौसेवक भी रहेंगे, जिन्हें शासन द्वारा मानदेय भी दिया जाएगा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई गौधाम योजना ग्रामीण क्षेत्रों में निराश्रित एवं घुमंतू गौवंश के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से गौवंशीय पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, उचित देखभाल एवं चारे-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा, ताकि गौवंश संरक्षण के साथ-साथ गांवों में स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण का निर्माण हो सके।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव ने कहा कि गौधाम योजना के माध्यम से निराश्रित एवं घुमंतू गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इस योजना से गांवों एवं शहरों में खुले में घूमने वाले गौवंश को सुरक्षित स्थान मिलेगा और सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी भी आएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना गौवंश संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बंद खदान से राखड़ चोरी पर सख्त हुआ प्रबंधन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बंद हो चुकी ओसीएम खदान की एक नंबर क्वारी से फ्लाई ऐश (राखड़) चोरी का मामला सामने आने के बाद प्रबंधन सख्त हो गया है। खदान से राखड़ चोरी शीर्षक से शुक्रवार को समाचार प्रकाशित होने के बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी को तलब कर जवाब मांगा है।

महाप्रबंधक ने माना कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा खदान क्षेत्र से राखड़ चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार बिश्रामपुर ओसीएम खदान में कोयले का भंडार समाप्त होने के बाद बड़े भूभाग में बने खतरनाक गड्ढों अथाह क्वारी को समतल करने के लिए फ्लाई ऐश फिलिंग का कार्य कराया गया था। करीब एक वर्ष तक चले इस कार्य में लगभग 13 लाख क्यूबिक मीटर राखड़ से गड्ढों को भरा गया है। अब इस पर मिट्टी की परत डालकर पौधारोपण करने की योजना बनाई गई है।

राखड़ चोरी की सूचना मिलने के बाद प्रबंधन ने एनटीपीसी को पत्र लिखकर फ्लाई ऐश के ऊपर जल्द मिट्टी भराई कराने को कहा है ताकि आगामी बारिश में पौधारोपण की तैयारी शुरू की जा सके।

महाप्रबंधक ने चेतावनी दी है कि भविष्य में राखड़ चोरी की घटना दोहराए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ पुलिस में नामजद शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

बताया जाता है कि पिछले डेढ़-दो महीने से कुछ स्थानीय युवक खदान क्षेत्र में पीसी मशीन,चैन माउंटेन मशीन लगाकर दिनदहाड़े फ्लाई ऐश निकाल रहे थे, जिसे लेकर क्षेत्र में चर्चा भी थी। पूरे मामले में ओसीएम खदान के मैनेजर की भूमिका भी संदिग्ध बताई गई है खदान के कर्मियों का कहना है कि प्रबंधन ने आखिर मैके पर पीसी मशीन लगे होने के बाद भी मशीन को जप्त कर पुलिस को क्यों नहीं सौंपा केवल थाने में लिखित सूचना देकर पल्ला झाड़ लिया।

पीएमश्री सेजेस जयनगर में बैगलेस एक्टिविटी डे का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएम श्री सेजेस जयनगर में विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैगलेस एक्टिविटी डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्राथमिक वर्ग के बच्चों ने सलाद एवं फलों की सजावट सलाद और फरूट डेकोरेशन कर आकर्षक प्रस्तुतियां दी। वहीं मिडिल सेक्शन के विद्यार्थियों ने ईद पोस्टर, कार्ड तथा सुंदर चित्रकारी बनाकर अपनी कला का परिचय दिया। कार्यक्रम के संचालन में प्राचार्य श्रीमती पुष्पा राय तथा पूर्व प्राचार्य वीरेन्द्र जायसवाल का मार्गदर्शन रहा। मिडिल सेक्शन की एचएम आरती गुप्ता के साथ शिक्षिका श्वेता सिंह, अनीता जायसवाल, सुजाता पांडेय, निशा मिश्रा, अंजली यादव एवं स्मृति श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया।

इसी प्रकार प्राथमिक विभाग की एचएम मोनिका मलिक के साथ साक्षी जायसवाल, कलावती राजवाड़े, नफीस खान, महेन्द्र मिश्रा और खलेश्वरी राजवाड़े सहित अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया गया कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के रचनात्मक विकास, आत्मविश्वास और सीखने की रुचि को बढ़ाने में सहायक होती है।

एजीपीएल सीजन-1 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में खाकी वारियर ने जीता खिताब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के डिपार्टमेंटल कॉलोनी स्थित आजाद ग्राउंड में आयोजित एजीपीएल सीजन-1 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन संपन्न हुआ। इस क्रिकेट महाकुंभ में नगर और आसपास के क्षेत्रों की आठ टीमों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में खाकी वॉरियर और डीसीसी डिपार्टमेंटल की मजबूत टीमें आमने-सामने थी। दोनों ही टीमों ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी, इसलिए अंतिम मुकाबले को लेकर दर्शकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। फाइनल मैच में खाकी वॉरियर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी के लिए उतरी डीसीसी डिपार्टमेंटल की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम के बल्लेबाजों ने तेज गति से रन बटोरते हुए निर्धारित 10 ओवर में 106 रन बनाए और खाकी वॉरियर के सामने 107 रनों का लक्ष्य रखा। डीसीसी की पारी में कई आकर्षक शॉट देखने को मिले। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करने

उतरी खाकी वॉरियर की टीम ने संयमित शुरुआत की। शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजों ने विकेट संभालकर खेलते हुए रन गति को बनाए रखा। खाकी वॉरियर के बल्लेबाजों ने दबाव में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 107 रन बनाकर जीत हासिल कर ली और एजीपीएल सीजन-1 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैन ऑफ द सीरीज अरविंद सिंह, मैन ऑफ द मैच मुकेश दर्शन, बेस्ट दशक का खेता इमाम हसन को मिला। विजेता टीम खाकी वॉरियर को 41 हजार रुपए नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता डीसीसी डिपार्टमेंटल को 21 हजार रुपए का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम ही नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही। अन्य अतिथियों में पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, कांग्रेस जिला कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल टिंकू, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अजय गोयल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, भाजपा नेता इंजी. विनय सिंह और रितेश जायसवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस पूरे टूर्नामेंट का आयोजन डिपार्टमेंटल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष विनोद पटेल और व्यवस्थापक सुशील सिंह ने पूरे टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं को संभाला।

मैचों में अंपायर की जिम्मेदारी अजीत सिंह, राहुल यादव, शिशिर लंका और मुकेश राणा ने निभाई।आयोजन को सफल बनाने में देव शर्मा, आयुष सिंह, धनंजय, रवि चतुर्वेदी, अविनाश सिंह, सनी सिंह, विक्की देवांगन और संजू सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संगठन विस्तार से कांग्रेस को मिलेगी जमीनी मजबूती

बतरा में हुई ब्लॉक कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी और जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन को धार देने और आगामी चुनौतियों के लिए बूथ स्तर तक तैयार करने के उद्देश्य से सलका ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की एक बैठक बतरा में संपन्न हुई। पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, ब्लॉक प्रभारी नवीन जायसवाल और वेद प्रकाश मिश्रा की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में ब्लॉक, मंडल, ग्राम और बूथ स्तर की कमेटियों के गठन और विस्तार पर सूक्ष्म रणनीति तैयार कर निर्देश दिया गया कि ?25 मार्च तक सूची प्रदेश कार्यालय को भेजनी होगी, इसलिए जल्द ही सभी मंडल में भी बैठक की जाए। बैठक के दौरान ब्लॉक प्रभारियों ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के स्पष्ट निर्देश हैं कि 25 मार्च तक सभी इकाईयों का गठन अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। प्रभारियों ने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से आह्वान किया कि वे आपसी समन्वय और आम राय कायम कर ब्लॉक, मंडल और ग्राम समितियों की सूची तैयार करें, ताकि समय रहते प्रदेश मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जा सके। बैठक में पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने संगठन की मजबूती का मंत्र देते हुए कहा कि ?संगठन तभी मजबूत होता है जब उसकी जड़ें गहरी हों। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने ग्राम, पारा और वार्ड स्तर पर वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ बैठें। नई कार्यकारिणी का विस्तार करते समय समाज के हर वर्ग, जाति और समुदाय के लोगों के नाम व सुझाव शामिल करें। जब हमारी कार्यकारिणी सर्वसमावेशी होगी, तभी हम जमीनी स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचा पाएंगे। हर कांग्रेस का साथी अपने साथियों की मदद के लिए तत्पर रहे तथा ग्रामीणों की किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रयास करें तभी लोगों से जुड़ेंगे। ?ब्लॉक प्रभारी नवीन जायसवाल और वेद प्रकाश मिश्रा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में हर निष्ठावान कार्यकर्ता को स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने सलाह-मशविरा और सबकी भागीदारी को कमेटियों के गठन का मुख्य आधार बताया। बैठक में जिला महामंत्री अभिषेक श्रीवास्तव, सचिव लालजी राजवाड़े, संतोष गुप्ता, वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रताप सिंहदेव, अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अफरोज खान, मंडल अध्यक्ष सविता राजवाड़े, राजकुमार राजवाड़े, रमेश चौधरी ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि आने वाले समय में संगठन की सक्रियता ही जीत का मार्ग प्रशस्त करेगी, इसलिए बूथ लेवल तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना अनिवार्य है। बैठक में प्रमुख रूप से संयुक्त जिला महामंत्री लिली राजवाड़े, जनपद पंचायत भैयाथान अध्यक्ष सुलोचनी पैकरा, पूर्व जनपद अध्यक्ष मनिहारी लाल पैकरा, शैलेश जैन, संजीव सिंह, मनोज साहू, बजरंगी सिंह, अख्तर खान, सरफराज खान, रंगीला देवांगन, बिहारी जायसवाल, हरिलाल राजवाड़े, हुलास राजवाड़े, रियाज खान, महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला राजवाड़े, पंडा यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

चैत्र नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे की विशेष व्यवस्था

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में आयोजित होने वाले चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान प्रति वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि मेला 19 से 27 मार्च तक आयोजित होगा। इस दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे प्रशासन ने कई विशेष कदम उठाए हैं। रेलवे द्वारा 10 से अधिक मेल, एक्सप्रेस यात्री ट्रेनों का डोंगरगढ़ स्टेशन पर अस्थायी ठहराव दिया जा रहा है। इसके अलावा कुछ ट्रेनों का अस्थायी विस्तार किया गया है तथा यात्रियों की सुविधा के लिए एक मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी। रेलवे प्रबंधन का कहना है कि इन व्यवस्थाओं से चैत्र नवरात्रि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान अधिक सुविधा और सुगमता मिलेगी।

लटोरी ब्लाक महिला कांग्रेस पदाधिकारियों को बांटे गए नियुक्ति पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला कांग्रेस को मजबूती दिलाने शनिवार को लटोरी ब्लाक महिला कांग्रेस की बैठक अध्यक्ष बबीता गुप्ता के नेतृत्व में आहूत की गई। बैठक में पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष भगवती राजवाड़े, जिला महामंत्री रोहन राजवाड़े, सेवादल कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद चौधरी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कंवल बिहारी सिंह टेकाम, पूर्व अध्यक्ष गोवर्धन सिंह मरकाम, अर्जुन देवांगन, सुनीता खाखा, दुष्यंत तिवारी, विजय जायसवाल, राजकुमार राजवाड़े, अमित ठाकुर, बिंदु राजवाड़े, भूपेंद्र राजवाड़े, कन्नीलाल राजवाड़े, नारायण राजवाड़े, बुधराम उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने कहा कि महिला कांग्रेस अपना एक अलग महत्व है। महिलाओं को संगठित कर हम सभी को पूरी एकजुटता के साथ कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान कराने पहल करनी है। महिला कांग्रेस की नवनियुक्त सभी ब्लाक पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करेंगी, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष आनंद कुंवर की अनुशंसा पर ब्लाक महिला कांग्रेस की नवनियुक्त पदाधिकारियों को अतिथियों के हाथों नियुक्ति पत्र प्रदान कराया गया। इस दौरान दिव्या राजवाड़े, देवकी राजवाड़े, सावित्री, कयालो बाई, रामकुमारी तांजे, हिमाचली राजवाड़े, परमेश्वरी, कृष्णा, इंद्रकुंवर व अन्य उपस्थित थे।

अंगना मा शिक्षा के तहत स्मार्ट माताओं का ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विकासखंड सूरजपुर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में अंगना मा शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत स्मार्ट माताओं का उन्मुखीकरण एवं सम्मेलन कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें संकुल अंतर्गत विभिन्न प्राथमिक शालाओं की महिला शिक्षिकाएं, शाला प्रबंधन समिति की महिला सदस्य तथा स्मार्ट माताएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सूरजपुर बीआरसी मनोज कुमार मंडल ने कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने में माताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने माताओं से बच्चों की नियमित पढ़ाई, उपस्थिति और सीखने की प्रगति पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। बीआरपी सुदर्शन राजवाड़े ने कहा कि सामुदायिक सहभागिता से ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। उन्होंने माताओं को विद्यालय की गतिविधियों से जुड़े रहने तथा बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर चंद्रकला कुशवाहा और सुनीता भगत ने प्रशिक्षण के माध्यम से माताओं को बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। विशेष आमंत्रित वक्ता व्याख्याता सुमन गुप्ता ने भी माताओं को शिक्षा के महत्व तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन संकुल समन्वयक गौरीशंकर पांडेय द्वारा किया गया।

कार्यशाला के माध्यम से उपस्थित माताओं को बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय सहयोग देने तथा शिक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

बिहान से जुड़कर भगवती की बदली किस्मत, बनी सफल उद्यमी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन की राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) योजना से ग्रामीण अंचलों की महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत गुमगरा खुर्द की रहने वाली श्रीमती भगवती सिंह आज आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिख रही हैं। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली भगवती आज न केवल अपने परिवार का संबल बनी हैं, बल्कि समाज में ह्यलखपति दीदी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी हैं।

बिहान ने दिया आत्मविश्वास का नया सवेरा

श्रीमती भगवती सिंह बताती हैं कि वर्ष 2014 में ह्यरेखा महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले वे काफी संकोच करती थीं और बाहरी दुनिया से उनका संपर्क न के बराबर था। समूह का हिस्सा बनने के बाद उनमें न केवल आत्मविश्वास का संचार हुआ, बल्कि उन्हें आर्थिक गतिविधियों और समाज को समझने का एक नया दृष्टिकोण मिला।

सब्जी की खेती से ईंट निर्माण तक का सफर

अपनी आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में भगवती ने पहला कदम समूह से मिली 15 हजार रुपये की आरएफ (त्थ) राशि के साथ बढ़ाया, जिससे उन्होंने सब्जी की खेती शुरू की। इस प्रारंभिक सफलता के बाद उन्होंने 30 हजार रुपये की सीआईएफ (ब्थ) राशि का निवेश ईंट निर्माण के कार्य में किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं मेहनत कर 50 हजार ईंटें बनवाईं, जिससे प्राप्त लाभ ने उनके बच्चों की

शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। आज उनके दोनों पुत्र, विवेक और विक्की, अच्छे स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

व्यवसाय में विविधता और बढ़ती आय

सफलता के इस क्रम को जारी रखते हुए भगवती ने समूह के माध्यम से 50 हजार रुपये का बैंक लोन लिया। इस राशि से उन्होंने गांव में ही किराना और कपड़े की दुकान शुरू की। इन विविध आय स्त्रोतों से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार आया है।

कच्चे मकान से पक्के घर का सपना साकार

भगवती बड़े गर्व से कहतीं हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था, लेकिन बिहान योजना से जुड़कर बढ़ी आजीविका के दम पर उन्होंने अपना पक्का घर बनवा लिया है। आज उनके पति भलेनाथ सिंह उरे और उनके बच्चे अत्यंत खुशहाल और गौरव महसूस करते हैं।

शासन की योजना के प्रति जताया आभार

अपनी उन्नति का श्रेय शासन की योजनाओं को देते हुए भगवती सिंह कहती हैं, बिहान योजना की बदौलत आज हम ग्रामीण दीदियां अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को सहृदय आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं ने हम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। जिला प्रशासन द्वारा बिहान के माध्यम से भगवती जैसी हजारों महिलाएं आज न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो रही हैं, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को धरातल पर साकार करने में अपना योगदान दे रही हैं।

संत के वचनों से प्रेरित होकर अनुयायियों ने लिया देहदान का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। हाल ही में आयोजित संत रामपाल महाराज के एक विशेष सम्मान समारोह के दौरान मानवता और सेवा का एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। समारोह के समापन के बाद महाराज जी के आध्यात्मिक वचनों और परोपकार की शिक्षाओं से प्रभावित होकर की 35 से अधिक भक्तों ने देहदान के लिए संकल्प लिया। यह पहली बार नहीं है जब संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों ने इस प्रकार का सेवा कार्य किया हो। उनके मार्गदर्शन में देश भर में दहेज-मुक्त विवाह (रमैनी), नशा मुक्ति अभियान और स्वच्छता जैसे कार्य निरंतर चलाए जा रहे हैं। आज का यह देहदान इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिक ज्ञान व्यक्ति के भीतर दया और करुणा के भाव को जागृत कर उसे समाज के प्रति जिम्मेदार बनाता है। समारोह के दौरान संत रामपाल जी ने अपने सत्संग में इस बात पर विशेष जोर दिया कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी भक्ति है। उन्होंने बताया कि किसी जरूरतमंद की जान बचाना और समाज के काम आना ही सच्ची आध्यात्मिकता है। उनके इन प्रेरणादायक शब्दों ने वहां मौजूद जनसमूह के दिलों को इस कदर छुआ कि समारोह खत्म होते ही बड़ी संख्या में लोग देहदान करने के लिए उमड़ पड़े। देहदान करने वालों में केवल युवा ही नहीं, बल्कि महिलाएं और बुजुर्ग भी पीछे नहीं रहे, संत रामपाल जी महाराज के अनुयायी अक्सर दहेज-मुक्त विवाह (रमैनी), नशा मुक्ति और रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं।

देवगढ़ में उप तहसील की घोषणा, उदयपुर क्षेत्र को मिली बड़ी प्रशासनिक सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शुक्रवार को सरगुजा जिले के उदयपुर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने विधानसभा में देवगढ़ में उप तहसील स्थापित करने की घोषणा की। यह निर्णय उदयपुर क्षेत्र सहित देवगढ़ और आसपास के ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत और उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि लंबे समय से उदयपुर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों द्वारा देवगढ़ में उप तहसील की स्थापना की मांग उठाई जा रही थी। इस मांग के पूरा होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। देवगढ़ में उप तहसील बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को नामांतरण, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, भू-अभिलेख संबंधी कार्यों सहित अन्य राजस्व सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। इससे न केवल आम लोगों का समय और खर्च बचेगा, बल्कि प्रशासनिक कामकाज भी अधिक सुगम और प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेगा। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे उदयपुर क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और ग्रामीणों को शासन की सेवाओं का लाभ और अधिक सहजता से प्राप्त हो सकेगा।

ब्लॉक अध्यक्ष बबीता गुप्ता की अगुवाई में महिला कांग्रेस की बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। लटोरी में महिला कांग्रेस की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बबीता गुप्ता की अगुवाई में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिला कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। बैठक के दौरान महिलाओं के अधिकार, संगठन विस्तार और सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्ष बबीता गुप्ता ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिला कांग्रेस हमेशा से महिलाओं की आवाज को मजबूत करने के लिए काम करती रही है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करना और महिलाओं को जागरूक करना सभी कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी को लेकर भी चर्चा की गई तथा कई कार्यकताओं को संगठन की जिम्मेदारियां दी गईं। बैठक में विभिन्न गांवों से आई महिला कार्यकताओं ने अपने विचार रखे और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, वरिष्ठ महिला कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस से जुड़ी महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। अंत में सभी उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया गया और बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

19 से 28 मार्च तक भव्य श्रीराम प्रकटोत्सव कथा एवं शोभा यात्रा का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। उर्जानगर जरही में 19 मार्च से 28 मार्च तक भव्य श्रीराम प्रकटोत्सव कथा एवं शोभा यात्राह्व का आयोजन किया जाएगा। दुर्गा पंडाल उर्जानगर में होने वाले इस 10 दिवसीय धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

धार्मिक माहौल में होगा आयोजन

यह आयोजन श्री राम सेवा समिति एवं समस्त नगरवासी जरही के तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन के दौरान प्रतिदिन श्रीराम कथा, भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति का वातावरण बनेगा।

प्रसिद्ध कथावाचक करेंगे श्रीराम कथा

कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथावाचक पं. आचार्य लोकेश गर्ग (शुक्ल) द्वारा संगीतमय श्रीराम कथा का वाचन किया जाएगा। कथा के माध्यम से

भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मयार्दा और धर्म के संदेशों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत 19 मार्च को शाम 6 बजे दीप उत्सव से होगी। इस अवसर पर श्रद्धालु दीप प्रज्वलित कर भगवान श्रीराम की आराधना करेंगे और पूरे परिसर को दीपों से सजाया जाएगा। 20 मार्च को सुबह 8 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु भाग लेंगे। कलश यात्रा के साथ ही पूरे नगर में धार्मिक वातावरण देखने को मिलेगा। 21 मार्च से श्रीराम कथा प्रारंभ होगी, जो प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जाएगी। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक प्रवचन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 27 मार्च को कथा विश्राम एवं हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भगवान श्रीराम की विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। 28 मार्च को महाभंडारा एवं भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान भगवान श्रीराम की झांकियां और भक्ति संगीत के साथ नगर में विशाल धार्मिक यात्रा निकलेगी।

आरएसएस का युवा सम्मेलन संपन्न, युवाओं को संघ से जुड़ने का किया गया आह्वान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। विकासखंड के सामुदायिक भवन में आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के युवाओं एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही। सम्मेलन में विभाग संपर्क प्रमुख कृष्ण त्रिपाठी मुख्य रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने युवाओं को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने युवाओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य, उद्देश्य और संगठन की भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी युवाओं को संघ की शाखाओं से जुड़कर राष्ट्र, समाज और संस्कृति की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि संघ की शाखा में आकर संगठन को नजदीक से देखें और देशप्रेम, धर्म तथा संस्कृति की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हम सब मिलकर एक राष्ट्र, श्रेष्ठ राष्ट्र के संकल्प को साकार करें और समाज में राष्ट्रीय चेतना को मजबूत बनाएं। कार्यक्रम में खंड संघचालक सत्यानारायण तिवारी, सहसंघचालक डॉ. रवि भूषण पाण्डेय, खंड कार्यवाह यतेंद्र पाण्डेय, संपर्क प्रमुख प्रदीप गुप्ता, व्यवस्था प्रमुख हरि साहू, सुरेश गुप्ता, प्रदीप रजवाड़े, मदन सिंह, विनय प्रजापति सहित बड़ी संख्या में संघ के स्वयंसेवक एवं क्षेत्र के युवा उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान युवाओं में संगठन के प्रति उत्साह देखने को मिला तथा राष्ट्र सेवा के लिए संघ की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का संकल्प लिया गया।

डॉ. साहू ने रक्तदान कर बचाई मरीज की जान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

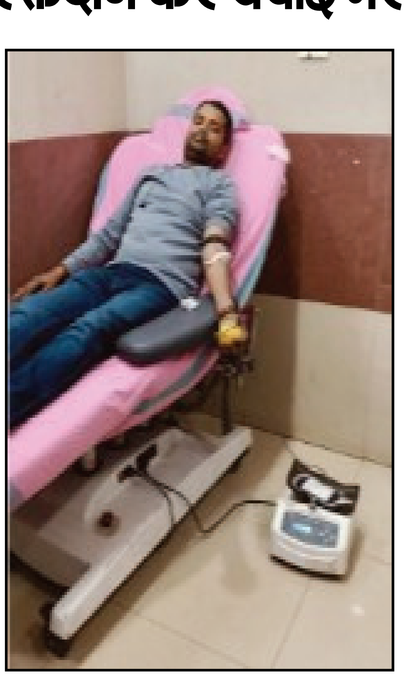

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग से मानवता और सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। डॉ. विनय दास साहू, निवासी वाड्रफनगर ने एक जरूरतमंद मरीज की जान बचाने के लिए निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर समाज के सामने सेवा और परोपकार की मिसाल पेश की। यह रक्तदान सेवा सरकारी जिला अस्पताल अंबिकापुर में की गई। जानकारी के अनुसार अस्पताल में भर्ती एक गंभीर मरीज को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। मरीज के परिजनों द्वारा काफी प्रयास करने के बाद भी समय पर रक्त की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। ऐसी स्थिति में जैसे ही यह जानकारी संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों तक पहुंची डॉ. विनय दास साहू तुरंत अस्पताल पहुंचे और बिना किसी स्वार्थ के रक्तदान कर मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ.विनय दास साहू ने बताया कि संत रामपाल जी महाराज की शिक्षाएं मानव सेवा, दया और परोपकार का संदेश देती हैं। उन्हीं की प्रेरणा से उनके अनुयायी समय-समय पर रक्तदान, समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य करते रहते हैं। उनका कहना है कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है क्योंकि इससे किसी की जिंदगी बच सकती है। इस मानवीय कार्य की अस्पताल प्रशासन और मरीज के परिजनों ने सराहना की और डॉ. विनय दास साहू को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे लोग समाज के लिए प्रेरणा हैं। संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा किए जा रहे रक्तदान जैसे सेवा कार्यों से समाज में मानवता और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है। समाजसेवियों का मानना है कि यदि अधिक से अधिक लोग रक्तदान के लिए आगे आएं, तो कई जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। डॉ. विनय दास साहू का यह कदम निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

पेड़ गिरने से हुई मौत: मुआवजे की मांग को लेकर 2 घंटे चला धरना, प्रशासन के आश्वासन पर खुला जाम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के वार्ड क्रमांक 8 (ईटा भट्ठा पारा) में जामुन का पेड़ काटते समय हुए हादसे में 46 वर्षीय मजदूर बृजमोहन की मौत के बाद शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर पंडित रविशंकर त्रिपाठी चौक भटगांव में धरना प्रदर्शन कर चक्काजाम कर दिया। करीब 2 घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन के आश्वासन पर मामला शांत हुआ।

मुआवजे की मांग को लेकर अड़े ग्रामीण

हादसे में जान गंवाने वाले बृजमोहन (निवासी ग्राम मरहठा) के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। सुबह करीब 11 बजे से पंडित रविशंकर त्रिपाठी चौक भटगांव में धरना शुरू किया गया, जिससे आवागमन भी प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता देने की मांग की।

प्रशासनिक पहल: अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

धरना और चक्काजाम की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। भैयाथान एसडीएम और भटगांव तहसीलदार शिव नारायण राठिया तत्काल मौके पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि शासन के नियमों के अनुसार मृतक के परिवार को मिलने वाली मुआवजा राशि की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी तथा घटना की जांच कर उचित सहायता दिलाई जाएगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) प्रतापपुर, जिला–सूरजपुर (छ०ग०)

//उद्घोषणा//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक बसंत कुमार आ० स्व० रामकुमार उम्र 31 वर्ष जाति कवंर निवासी ग्राम खजुरी, तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम खजुरी स्थित खसरा नंबर 595/2 रकबा 0.05 आरे को छ०ग०भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि से भिन्न आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन करने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 27/03/2026 तक अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 11/03/2026 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
प्रतापपुर,
जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय : अनुविभागीय अधिकारी (रा०) प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/अ-6/2025-26

ग्राम जरही

आवेदक

नेवाजी सुदामा प्रसाद आ० रामजीवन प्रसाद उम्र 63 वर्ष, जाति रोनियार निवासी ग्राम जरही तहसील प्रतापपुर, जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

प्रति,

अनावेदक

राजेश सोनी आ० बनारसी उम्र 52 वर्ष जाति स्वर्णकार, निवासी ग्राम जरही तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

(जारी दिनांक/03/2026)

इस न्यायालय के रा०प्र०क्र० / अ-6अ/2025-26 ग्राम जरह पक्षकार नेवाजी सुदामा प्रसाद प्रति राजेश सोनी से संबंधित प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में आवेदक की ओर से छ०ग०भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसमें अनावेदक राजेश सोनी आ० बनारसी उम्र 52 वर्ष जाति स्वर्णकार निवासी ग्राम जरही तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) की उपस्थिति हेतु विचाराधीन लंबित है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 13/03/2026 तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर जवाब दावा इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है. नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुदा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
प्रतापपुर
जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

सम्पादकीय

संकट नहीं पर घरेलू गैस को लेकर अधीर हो रहे लोग

अमेरिका-इजराइल और ईरान के युद्ध का असर अब पूरी दुनिया पर दिखने लगा है। अमेरिका से लेकर यूरोप और जापान से लेकर चीन और भारत में तेल के दाम 100 डॉलर से ऊपर पहुंच गए हैं। तेल के दाम सीधे तौर पर आम आदमी की जेब पर असर डाल रहे हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरत का बड़ा हिस्सा बाहर से मंगाता है, इसलिए हम पर दबाव अधिक है। हाल के वर्षों में सरकार ने अपने ऊर्जा आयात का विविधिकरण किया है, इसके बावजूद गैस का एक बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े खतरे की वजह से इस संकरे समुद्री मार्ग से टैंकरों का गुजरना खासा मुश्किल हो गया है। ईरान के साथ वार्ता के बावजूद अभी यह सौ फीसदी सुनिश्चित नहीं हो सका है कि भारतीय गैस टैंकर इस मार्ग से सुरक्षित आ सकेंगे या नहीं। दावा किया जा रहा है कि ईरान ने भारतीय झंडे वाले जहाजों को यहां से गुजरने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्थिति को लेकर संदेह बना हुआ है। भारत ने अपनी तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना शुरू कर दिया है। इसने देश में पेट्रोल व डीजल के संकट को लेकर आशंकाओं को खारिज कर दिया है। लेकिन, रसोई गैस बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। सरकार ने व्यावसायिक उपयोग की रसोई गैस को लेकर कटौती की घोषणा की है, लेकिन घरेलू उपयोग की गैस 100 फीसदी उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने का भरोसा दिया है। इसके बावजूद लोगों की आशंकाओं ने ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी है, जैसे देश में घरेलू रसोई का संकट उत्पन्न हो गया हो। हालांकि, कुछ हद तक कालाबाजारी की खबरों ने लोगों को अधीर बना दिया है। जनता हर हाल में अपनी रसोई को गैस संकट से सुरक्षित करना चाहती है। तत्काल जरूरत न होते हुए भी लोग तुरंत ही दूसरा सिलेंडर भरवा लेना चाहते हैं। यही भावना गैस एजेंसियों पर भीड़ लगवा रही है। इससे ही यह संदेश जा रहा है कि देश में घरेलू गैस का संकट हो गया है। जबकि स्थिति ऐसी नहीं है। संसद में भी एलपीजी कमी के आरोपों पर सरकार व विपक्ष में टकराव देखने को मिला। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ऐसी किसी भी कमी से साफ इनकार किया। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि पिछले पांच दिनों में एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है और देश में आपूर्ति सामान्य है। उन्होंने विपक्ष पर अफवाह फैलाने और झूठा नैरेटिव बनाने का आरोप लगाया। पुरी ने यह भी कहा कि भले ही भारत का पश्चिम एशिया के संघर्ष में कोई सीधा रोल नहीं है, लेकिन इसके असर से देश को निपटना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध दूरगामी प्रभाव डालने वाला है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है। यही नहीं, कई विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर प्रदर्शन किया और सरकार से जवाब मांगा। कमर्शियल सिलेंडरों की कमी से देश के कई क्षेत्रों में होटल, मेस और ढाबे या तो बंद हो गए हैं या बंद होने वाले हैं। कई जगहों पर लकड़ी व कोयले की मांग भी बढ़ी है। कुल मिलाकर हालात चुनौतीपूर्ण तो हैं, लेकिन धैर्य से हर परेशानी दूर हो सकती है।

आर्थिकी
अनिरुद्ध प्रताप सिंह

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से चुनौती

कच्चे तेल की कीमतों में अचानक तेज बढ़ोतरी ने भारत की अर्थव्यवस्था के सामने एक नई चुनौती पैदा कर दी है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाती है तो भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए इसका असर बहुत गहरा होता है। साल की शुरुआत में जहां कच्चा तेल लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था, वहीं कुछ ही महीनों में इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर सप्लाई प्रभावित होती है तो ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। भारत के सबसे बड़ी समस्या फिलहाल पर्याप्त मात्रा में तेल और गैस की व्यवस्था करना है।

कच्चे तेल की कीमतों में अचानक तेज बढ़ोतरी ने भारत की अर्थव्यवस्था के सामने एक नई चुनौती पैदा कर दी है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाती है तो भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए इसका असर बहुत गहरा होता है। साल की शुरुआत में जहां कच्चा तेल लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था, वहीं कुछ ही महीनों में इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। भारत रोजाना लगभग 50 लाख बैरल कच्चा तेल आयात करता है। इसलिए कीमतों में इस तरह की बढ़ोतरी का सीधा मतलब है कि देश को तेल आयात पर पहले से कहीं ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ेगा। इससे आयात बिल बढ़ेगा, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। इसका रुपये पर भी दबाव दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और तनाव ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। इस क्षेत्र से भारत को बड़ी मात्रा में तेल और गैस की आपूर्ति होती है।

अगर युद्ध लंबा खिंचता है और समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर रुकावट आ सकती है। भारत के लिए यह एक चिंता का विषय है, क्योंकि देश के पास तेल और गैस के बड़े भंडार नहीं हैं। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर सप्लाई प्रभावित होती है तो ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। भारत के सबसे बड़ी समस्या फिलहाल पर्याप्त मात्रा में तेल और गैस की व्यवस्था करना है। खास तौर पर फारस की खाड़ी के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज के बंद होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह दुनिया का एक अहम तेल परिवहन मार्ग है, जहां से भारत के कुल आयातित तेल और गैस का लगभग 45 से 50 प्रतिशत हिस्सा आता है। अगर यहां से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है तो भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए वैकल्पिक स्रोत खोजने पड़ेंगे। खबर है कि फिलहाल लगभग 30 मिलियन बैरल रूसी तेल समुद्र में जहाजों पर मौजूद है, जिसे खरीदा जा सकता है। लेकिन यह मात्रा भारत की विशाल ऊर्जा जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। भारत निश्चित रूप से रूस से और अधिक तेल खरीदने की कोशिश कर सकता है। हालांकि युद्ध की स्थिति में इसकी कीमत भी बढ़ सकती है। अगर विकसित देशों का समूह जी-7 अपने आपातकालीन तेल भंडार बाजार में जारी करता है तो वैश्विक सप्लाई थोड़ी बढ़ सकती है और कीमतों पर कुछ नियंत्रण आ सकता है। फिलहाल स्थिति अनिश्चित बनी हुई है और यह कहना मुश्किल है कि आने वाले समय में ऊर्जा की उपलब्धता कितनी स्थिर रहेगी। भारत सरकार भी इस चुनौती को समझ रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। इसके बावजूद निकट भविष्य में कई उद्योगों को तेल और गैस की सीमित उपलब्धता का सामना करना पड़ सकता है। खास तौर पर औद्योगिक इकाइयों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति में कटौती की संभावना जताई जा रही है। हालांकि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि घरेलू उपयोग, पाइप्ड नेचुरल गैस और वाहनों के लिए सीएनजी जैसी प्राथमिक सेवाओं को पर्याप्त गैस मिलती रहे। एक और बड़ा सवाल यह है कि क्या पेट्रोल

और डीजल की कीमतें बढ़ाई जाएंगी। फिलहाल सरकार के सामने राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह की चुनौतियां हैं। कई राज्यों में चुनाव नजदीक होने के कारण सरकार तुरंत पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं करना चाहेगी। अगर अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आई बढ़ोतरी को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है तो इससे महंगाई बढ़नी तय है। सरकार कोशिश कर सकती है कि कुछ समय तक इस बोझ को खुद वहन करे और तेल विपणन कंपनियों को होने वाले घाटे की भरपाई करे। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है तो उससे आयातित वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ जाती हैं। वैश्विक आर्थिक माहौल भी इस समय काफी अस्थिर है। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं।

ऐसे समय में अमेरिकी डॉलर को सुरक्षित मुद्रा माना जाता है, इसलिए इसकी मांग बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप डॉलर मजबूत होता है। अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड भी बढ़ रही है, क्योंकि निवेशकों को डर है कि ऊर्जा कीमतों से पैदा हुई महंगाई के कारण अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रख सकता है। भारत में इस स्थिति का सबसे स्पष्ट असर रुपये पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और डॉलर की मजबूती के कारण भारतीय मुद्रा कमजोर हो गई है। हाल ही में रुपया डॉलर के मुकाबले लगभग 92.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया था। अगर युद्ध और वैश्विक तनाव लंबे समय तक जारी रहता है तो रुपये पर और दबाव पड़ सकता है। कमजोर रुपया भारत के लिए दोहरी समस्या पैदा करता है। पहला, इससे आयात और महंगे हो जाते हैं। दूसरा, विदेशी निवेशकों का भरोसा भी कम हो सकता है। जब रुपये की कीमत गिरती है, तो विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार और बॉन्ड बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। हाल के दिनों में भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का एक कारण यही रहा है। अगर विदेशी निवेश लगातार बाहर जाता है तो इससे पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है और निवेशकों का विश्वास कमजोर पड़ सकता है। इसके अलावा कंपनियों के लिए विदेशी कर्ज चुकाना भी महंगा हो जाता है। तेल की ऊंची कीमतों का असर सिर्फ वित्तीय बाजारों तक ही सीमित नहीं रहने वाला, बल्कि इसका असर उत्पादन और औद्योगिक गतिविधियों पर भी साफ दिखाई देगा। पेट्रोकेमिकल, परिवहन, उर्वरक, और बिजली उत्पादन जैसे कई उद्योग सीधे तौर पर तेल और गैस पर निर्भर होते हैं। जब ऊर्जा की लागत बढ़ती है तो इन उद्योगों के उत्पादन खर्च में भी वृद्धि होती है। इससे या तो कंपनियों के मुनाफे कम होते हैं या फिर वे कीमतें बढ़ाकर इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डाल देती हैं। इस तरह हम देखते हैं कि तेल की बढ़ती कीमतें पूरी अर्थव्यवस्था की गति को धीमा कर सकती हैं। उत्पादन महंगा होने से कंपनियां निवेश कम कर सकती हैं और आर्थिक विकास की रफ्तार भी धीमी पड़ सकती है। कुल मिलाकर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत के लिए कई स्तरों पर चिंता का कारण बन सकती हैं। ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता, बढ़ता आयात बिल, महंगाई का दबाव, कमजोर होता रुपया और विदेशी निवेश में कमी-ये सभी कारक मिलकर आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं। आने वाले समय में यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष कितने दिन चलता है और वैश्विक तेल बाजार किस दिशा में जाता है। अगर स्थिति जल्दी सामान्य होती है, तो दबाव कम हो सकता है, लेकिन अगर तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो भारत को अपनी ऊर्जा रणनीति और आर्थिक नीतियों में कई बड़े कदम उठाने पड़ सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष
अरविंद जयतिलक

अनिद्रा से बिगड़ता स्वास्थ्य

आज विश्व निद्रा दिवस है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में नींद के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मानव स्वास्थ्य व सेहत के लिए पर्याप्त निद्रा बेहद आवश्यक है। याद होगा कि गत वर्ष पहले फिलिप्स वार्षिक वैश्विक सर्वेक्षण की रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि दुनिया भर में तकरीबन 10 करोड़ लोग अनिद्रा की बीमारी से ग्रसित हैं। दुनिया के 13 देशों (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, फ्रांस, भारत, चीन आस्टलिया, कोलंबिया, अर्जेंटीना, मैक्सिको, ब्राजील और जापान) के 15 हजार से अधिक व्यस्कों पर किए गए इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया कि 80 प्रतिशत से अधिक लोग अनिद्रा बीमारी से अनभिज्ञ हैं जबकि 30 प्रतिशत लोग नींद लेने और उसे बनाए रखने में दिक्कत महसूस करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी उद्घाटित हुआ था कि देश की राजधनी दिल्ली में 67 प्रतिशत, कोलकाता में 60 प्रतिशत, बेंगलुरु में 59 प्रतिशत तथा चेन्नई 58 प्रतिशत लोग अनिद्रा के शिकार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में तकरीबन 19 प्रतिशत वयस्कों ने स्वीकार किया कि सामान्य नींद के समय के साथ काम के घंटों का अतिव्यापित होना अनिद्रा का एक प्रमुख कारण है। इसी तरह 32 प्रतिशत वयस्कों ने स्वीकार किया कि प्रौद्योगिकी भी एक प्रमुख नींद विकर्षण है। अमेरिका की राष्ट्रीय निद्रा फाउंडेशन के मुताबिक 30-40 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों का कहना है कि उनमें अनिद्रा के लक्षण हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अनिद्रा के कारण कई तरह की बीमारियां पनपती हैं और जीवन प्रत्याशा कम होने की भी संभावना बढ़ जाती है। 16 अध्ययनों के एक विश्लेषण में 10 लाख से अधिक प्रतिभागियों और 112,566 मौतों के अंतर्गत नींद की अवधि और मृत्युदर के बीच के संबंधों की जांच में पाया गया कि जो लोग रात में सात से आठ घंटे सोते थे, उनकी तुलना में कम सोने वाले व्यक्तियों में मृत्यु का खतरा 12 प्रतिशत ज्यादा होता है। हाल ही में एक अन्य अध्ययन में 38 सालों से सतत निद्रा और मृत्यु दर के प्रभावों की जांच में पाया गया है कि सतत अनिद्रा से ग्रसित लोगों की मौत का जोखिम 97 प्रतिशत अधिक होता है। अनिद्रा का दुष्परिणाम यह होता है कि व्यक्ति में हीनता बढ़ती है और उसकी याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है। उसमें चिड़चिड़ापन इस हद तक बढ़ जाता है कि वह सामाजिक रूप से मिलना-जुलना बंद कर देता है। साथ ही थके होने और पर्याप्त नींद न लेने के कारण वाहन दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। भारत की बात करें तो यहां 66 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया है कि अनिद्रा के कारण उनका स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती प्रभावित होने के साथ-साथ मानसिक अवसाद बढ़ा है।

उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही खुलासा कर चुका है कि भारत में मानसिक अवसाद के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिनके कई कारणों में से एक कारण अनिद्रा भी है। गत वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी शीर्षक 'डिप्रेशन एवं अन्य सामान्य मानसिक विकार-वैश्विक स्वास्थ्य आकलन' रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत और चीन अवसाद से बुरी तरह प्रभावित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में मानसिक अवसाद से ग्रस्त लोगों की संख्या सर्वाधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में अवसाद से प्रभावित लोगों की कुल संख्या 32.2 करोड़ है, जिसमें 50 प्रतिशत सिर्फ भारत और चीन में ही हैं। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि अवसाद के अलावा भारत और चीन में चिंता भी बड़ी समस्या है। भारत एवं अन्य मध्य आय वाले देशों में आत्महत्या के सबसे बड़े कारणों में से एक चिंता भी है। देश में बढ़ते अवसाद को ध्यान में रखकर ही केंद्र सरकार द्वारा संसद में मानसिक स्वास्थ्य देखरेख विधेयक पर मुहर लगाई जा चुकी है। इसमें मानसिक अवसाद से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखरेख एवं सेवाएं प्रदान करने एवं ऐसे व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण करने का प्रावधान है। चूंकि भारत अशक्त लोगों के अधिकारों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र संधि का हस्ताक्षरकर्ता है लिहाजा उसकी जिम्मेदारी भी थी कि वह इस प्रकार के प्रभावी कानून गढ़ने की दिशा में आगे बढ़े। भारत ने इस दिशा में कदम बढ़ा सामुदायिक स्तर पर अधिकतम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की रचनात्मक और स्वागत योग्य पहल तेज कर दी है। अच्छी बात यह है कि दुनिया भर में 77 प्रतिशत लोगों ने अवसाद और बिगड़ते स्वास्थ्य से उबरने के लिए अपनी नींद में सुधार की कोशिश की है। भारत में 45 प्रतिशत वयस्कों ने ध्यान और योग करने की कोशिश की है, जबकि 24 प्रतिशत लोगों ने अच्छी नींद लेने और उसे बनाए रखने के लिए विशेष बिस्तर को अपनाया है। उचित होगा कि सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं कुछ इस तरह के कार्यक्रम गढ़ें, जिससे कि लोगों में अच्छी नींद के प्रति जागरूकता बढ़े और वे संतुलित दिनचर्या के प्रति आकर्षित हों।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जहां भी खोजोगे वहां प्रीतितत्व को ही पाओगे

कोई आदमी धन कमाने में लगा है, धन तो ऊपर की बात है, भीतर तो प्रीति से ही जी रहा है, धन से उसकी प्रीति है। कोई आदमी पद के पीछे पागल है, पद तो गौण है, प्रतिष्ठा की प्रीति है। जहां भी खोजोगे, तो तुम प्रीति को ही पाओगे। पापी में और पुण्यात्मा में, तुम एक ही तत्त्व को एक साथ पाओगे, वह तत्त्व प्रीति है। फिर प्रीति किससे लग गई, उससे भेद पड़ता है। धन से लग गई तो तुम धन ही होकर रह जाते हो। ठीकरे हो जाते हो। कागज के सड़े-गले नोट होकर मरते हो। जिससे प्रीति लगी, वही हो जाओगे। यह बड़ा बुनियादी सत्य है, इसे हृदय में संभाल कर रखना। प्रीति महंगा सौदा है, हर किसी से मत लगा लेना। जिससे लगाई वैसे ही हो जाओगे। वैसा होना हो तो ही लगाना। प्रीति का अर्थ ही यही होता है कि मैं यह होना चाहता हूं। राजनेता गांव में आया और तुम भीड़ करके पहुंच गए, फूलमालाएं सजा कर, किस बात की खबर है? कोई संगीत सुनता है तो धीरे-धीरे उसकी चेतना में संगीत की छाया पडऩे लगती है। तुम जिससे प्रीति करोगे वैसे हो जाओगे, जिनसे प्रीति करोगे वैसे हो जाओगे। तो प्रीति का तत्त्व रूपांतरकारी है। प्रीति का तत्त्व भीतरी रसायन है। और बिना प्रीति के कोई भी नहीं रह सकता। प्रीति ऐसी अनिवार्य है जैसे श्वास। जैसे शरीर श्वास से जीता, आत्मा प्रीति से जीती। इसलिए अगर तुम्हारे जीवन में कोई प्रीति न हो, तो तुम आत्महत्या करने को उतारू हो जाओगे। या कभी तुम्हारी प्रीति का सेतु टूट जाए, तो आत्महत्या करने को उतारू हो जाओगे।

संकलित
दर्शन

गुरु की संगति से ही पाया जा सकता है परमात्मा

जिसने परमात्मा को प्राप्त कर लिया, तो समझो उसने सब कुछ प्राप्त कर लिया। इसके लिए प्राप्ति के लिए अब शेष कुछ नहीं रह जाता। अब जिन्होंने परमात्मा को नहीं पाया उन्होंने कुछ भी नहीं पाया, लेकिन यह बात ध्यान में रहे कि परमात्मा पाया जाता है गुरु प्रताप साध की संगति से और कोई उपाय नहीं। अद्वैत भाव एक परम गुण है। अद्वैत भाव कुछ ऐसी कला है, जिसमें थकान नहीं है मानो हम जहां भी देखें, चाहे जर्रा हो, चाहे पत्ते हों, चाहे चंदन के पेड़ हों, चाहे पत्थर हों, चाहे गंगा का जल हो, सूरज का तेज हो, चांद की शीतलता हो, कलियों की कोमलता हो, फूलों का सौंदर्य हो, जहां भी नजर डालो सद्गुरु की कृपा से अपनी आंखों से इन सभी से जल्दी से पर्दा हटा कर इसको देख लें। फिर धीरे-धीरे हमारी आंखें ही पर्दा उठाने की कला सीख जाएंगी और फिर ऐसा समय भी आएगा जब हमें पर्दा उठाना ही नहीं पड़ेगा, केवल नजर पड़ी और हम पर्दे के पार देखने लगे, क्योंकि अब हमें ज्ञान हो गया है कि सब जगह बस ईश्वर, परमात्मा की ही छवि विराजमान है। अपेक्षा जहां है वहीं दुःख की भी संभवना है और जहां अपेक्षा नहीं है, वहां विषाद का कोई खतरा नहीं है। अतः जिनसे मनुष्य को अपेक्षा है कि उसे प्रीति मिलेगी पत्थर नहीं, उनसे यदि फूल भी फेंका गया, तो घाव का एहसास होगा ही। घाव फूल के कारण नहीं लगता फूल बेचारा कैसे घाव लगा सकता है? घाव लगता मनुष्य की अपेक्षा से और जितनी बड़ी अपेक्षा होगी, घाव भी उतना ही गहरा मिलेगा।

संकलित
प्रेरणा

सटाका

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों के आंकड़े एकत्रित करने और उनके निःशुल्क पंजीकरण के लिए प्रयास हुए हैं।

-आतिश गौतम, रोहतक

ट्रेंड

सबको बोलने का अवसर

प्रतिपक्ष के सदस्यों को आवंटित समय से अधिक बोलने का अवसर मिला है। मेरी हमेशा कोशिश रहती है कि चाहे देर रात्रि तक बैठना पड़े, लेकिन हर सदस्य को बोलने का अवसर मिले। कोई भी सदस्य जो बोलना चाहते हों, और मैंने अवसर नहीं दिया, ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है।

- ओम बिरला, लोस अध्यक्ष

अविश्वास प्रस्ताव नहीं

हम भी विपक्ष में रहे है, तीन बार लोकसभा के स्पीकर पर अविश्वास का प्रस्ताव आया, मगर भारतीय जनता पार्टी और एनडीए विपक्ष में रहते हुए कभी लोकसभा स्पीकर पर अविश्वास का प्रस्ताव नहीं लाए।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय पर्यटन मंत्री

विकास बजट जारी

विकसित दिल्ली का संकल्प तभी साकार होगा, जब दिल्ली की हर विधानसभा में विकास की समान गति दिखाई दे। इसी लक्ष्य के साथ हर विधानसभा के लिए विशेष विकास बजट जारी किया जा रहा है, ताकि सड़क, पानी, स्वच्छता, आदि नागरिक सुविधाओं के कार्य तेजी से पूरे हो सकें।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

घरेलू गैस की किल्लत

जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है तो प्रधानमंत्री मोदी चुनावी दौरों में मशगूल होते है। देशभर में घरेलू गैस की भारी कमी है। अनेक छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का खामियाजा भुगतने पर मजबूर हैं। पर सरकार के पास कोई जवाब नहीं।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

पाक किसका, जो कर्ज दे उसका सऊदी अरब पहुंचे शहबाज

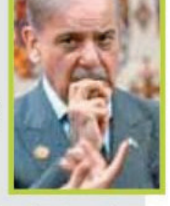

पाकिस्तान के रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है। पाक नहीं चाहता कि वह शिया मुल्क ईरान के साथ बहुत ज्यादा दिखे, जबकि सुन्नी देश सऊदी अरब के साथ रहना आंतरिक राजनीति में भी फायदा देगा। पाकिस्तान अकसर इस्लामिक एकता की बातें करता है। अब जबकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने हमले किए हैं तो इस संघर्ष में सऊदी अरब भी अमेरिकी पाले में है। ऐसे हालात में पाकिस्तान ने इस्लामिक एकता की कोई दुहाई नहीं दी है और सीधे तौर पर सऊदी अरब के साथ दिख रहा है। यहां उसने ना तो सऊदी अरब को इस्लामिक एकता की सीख दी और ना ही ईरान से समझौते की अपील की। उसने सीधे तौर पर सऊदी अरब का साथ दिया है और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ खुद ही इस्लामिक मुल्क पहुंच गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा चिंता पर बात की थी। उसके इस रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है।

ऑफ बीट

ऋषिकेश स्थित श्रीलक्ष्मण मंदिर का अद्भुत माहात्म्य

हिमालय की पावन गोद में अवस्थित ऋषिकेश का तपोवन क्षेत्र केवल एक भौगोलिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना का जीवंत केंद्र है। उत्तराखंड में गंगा के पावन पश्चिमी तट पर स्थित लक्ष्मण झूला और समीपस्थ श्रीलक्ष्मण मंदिर का माहात्म्य पुराणों में अत्यंत श्रद्धा और गौरव के साथ वर्णित है। 'ते वै रघुवरश्रेष्ठा भाग्यवन्तो भवन्ति हि' अर्थात जो भक्त तपोवन में आकर लक्ष्मण जी को प्रणाम करते हैं, वे वास्तव में भाग्यवान होते हैं, यह उद्घोष इस क्षेत्र की आध्यात्मिक गरिमा को स्पष्ट करता है। स्कंद पुराण के अनुसार, भगवान स्कंद ने नारद जी से कहा कि यद्यपि अनेक तीर्थ ऐसे हैं, जिनके स्मरण मात्र से पापों का क्षय हो जाता है तथापि ऋषिकेश स्थित तपोवन एक ऐसा दिव्य क्षेत्र है जो मानो मुक्ति का खुला द्वार है। यहां विधिपूर्वक श्राद्ध करने से पितृगण सदा तृप्त रहते हैं। सौमित्रि तीर्थ, जिसे लक्ष्मण तीर्थ भी कहा जाता है, में स्नान करने से वाजपेय यज्ञ के तुल्य फल की प्राप्ति होती है। आगे शिव तीर्थों में स्नान करने वाला भक्त शिवलोक और ब्रह्मलोक को प्राप्त होता है। इस प्रकार तपोवन केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि लोक और परलोक के कल्याण का सेतु है। यह तीर्थ हमें सिखाता है कि भक्ति, तप और विनम्रता से ही मनुष्य अपने दोषों से मुक्त होकर परम शांति को प्राप्त कर सकता है।

जापान और सिंगापुर की सफल यात्रा के लिए योगी को दीं शुभकामनाएं

राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक समिति रायबरेली के प्रतिनिधिमंडल ने योगी से की शिष्टाचार भेंट

विशेष संवाददाता

लखनऊ। राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक समिति, रायबरेली के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को उनकी जापान एवं सिंगापुर की सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। समिति की वार्षिक पत्रिका ह्लअवध केसरीह्व के दसवें अंक का भी मुख्यमंत्री योगी ने विधिवत विमोचन किया।

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जनपद रायबरेली के विकास से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और महत्वपूर्ण प्रस्तावों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इसमें जनपद में भव्य प्रवेश द्वार के निर्माण तथा हैदरगढ़ स्थित शुगर मिल के बंद होने से किसानों को हो रही गन्ना उठान की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में जनपद रायबरेली के विकास एवं जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल होगी। मुख्यमंत्री ने जनहित में और भी बेहतर कार्य के लिए समिति के सदस्यों को प्रेरित किया। राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक समिति की ओर से

● समिति की वार्षिक पत्रिका अवध केसरी के दसवें अंक का मुख्यमंत्री ने विधिवत किया विमोचन

प्रकाशित वार्षिक पत्रिका अवध केसरी के दसवें अंक के प्रकाशन की सीएम योगी ने शुभकामनाएं दीं और प्रसन्नता जताई कि समिति बेहतर ढंग से कार्य कर रही है। इस अंक में अमर सेनानी राना बेनी माधव बख्श सिंह के अंग्रेजों के खिलाफ किए गए संघर्ष के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। 1857 में साहित्यकारों ने भी देश की आजादी में अपनी कलम के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसका भी विवरण इस अंक में विस्तार से दिया गया है। समिति का उद्देश्य है कि अवध केसरी पत्रिका के माध्यम से जन-जन तक 1857 क्रांति में शहीद हुए योद्धाओं के बारे में जानकारी पहुंचाना, उस समय किन परिस्थितियों में देश की रक्षा के लिए संघर्ष किया गया था, उसके बारे में लोगों को बताना और युवाओं को राष्ट्रहित के लिए प्रेरित करना है।

समिति का प्रयास अमर शहीदों के परिजनों का सहयोग करना और उनके द्वारा किए गए कार्यों से हर किसी को अवगत कराना है। मुख्यमंत्री ने समिति के सदस्यों को जनहित में और भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर समिति के संरक्षक इंद्रेश विक्रम सिंह, कौशलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राकेश भदौरिया, रविन्द्र सिंह, अभिषेक विक्रम सिंह, जितेंद्र सिंह, एसपी सिंह, आरबी सिंह, अशोक सिंह आदि मौजूद रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अकासा एयर के बीच करार

एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) के लिए बनेगा अत्याधुनिक केंद्र

विशेष संवाददाता

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और देश की तेजी से उभरती एयरलाइन आकासा एयर के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी हुई है। इसके तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में अकासा एयर की पहली मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा स्थापित की जाएगी।

यह अत्याधुनिक एमआरओ केंद्र विमान रखरखाव, मरम्मत और तकनीकी सेवाओं का व्यापक नेटवर्क तैयार करेगा। इससे भारत के एविएशन सेक्टर को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निवेश-प्रोत्साहन नीतियों और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के चलते उत्तर प्रदेश में वैश्विक कंपनियों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में विकसित हो रही यह एमआरओ सुविधा प्रदेश को एविएशन, लॉजिस्टिक्स और हाईटेक इंडस्ट्री के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

● नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बनेगा अत्याधुनिक एमआरओ हब

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और आकासा एयर के बीच यह साझेदारी न केवल देश में विमान रखरखाव की क्षमता को बढ़ाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को एविएशन मेंटेनेंस और तकनीकी सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगी। इस एमआरओ सुविधा के विकसित होने से विमान कंपनियों को देश के भीतर ही उच्च गुणवत्ता वाली मेंटेनेंस सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे परिचालन लागत और समय में कमी आएगी। इस अत्याधुनिक एमआरओ सुविधा के स्थापित होने से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय युवाओं को एविएशन टेक्नोलॉजी और एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस से जुड़े कौशल प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही यह परियोजना क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति देगी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगी। यह पहल भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के उस विजन के अनुरूप है, जिसके तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के प्रमुख एमआरओ हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इससे भारत की विमानन सेवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा की क्षमता मजबूत होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि अकासा एयर का अपना पहला एमआरओ केंद्र नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थापित करने का निर्णय इस एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय एविएशन हब बनाने के विजन की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी भारत की एमआरओ क्षमताओं को मजबूत करेगी और क्षेत्र में रोजगार तथा कौशल विकास के नए अवसर पैदा करेगी।

अकासा एयर के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि भारत के तेजी से बढ़ते एविएशन बाजार को देखते हुए मजबूत घरेलू एमआरओ क्षमताओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ यह साझेदारी अकासा एयर के दीर्घकालिक विकास की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे भारत के विमानन क्षेत्र को अधिक आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी।

वैश्विक चुनौतियों से निपटेगी सरकार: सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष (इकोनॉमिक स्टेबिलाइज़ेशन फंड) सरकारी योजनाओं को पटरी से उतारे बिना मौजूदा वैश्विक संकट जैसी स्थिति में देश को आर्थिक झटकों को सहन करने में मदद करेगा।

लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह कोष पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट जैसी आकस्मिक वैश्विक चुनौतियों से लगने वाले झटकों को झेलने के लिए एक बफर के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा, एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष भारत को वैश्विक मुश्किलों का सामना करने के लिए वित्तीय सुदृढ़ता देगा। उन्होंने कहा कि यह कोष हालिया संकट जैसी स्थितियों और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा आने पर सरकारी योजनाओं को पटरी से उतारे बिना विभिन्न तरह के आर्थिक झटकों को सहन करने में मदद करेगा। वित्त मंत्री ने पश्चिम एशिया संकट और देश में एलपीजी की कथित कमी को लेकर सदन में शोरगुल कर रहे विपक्षी सदस्यों पर प्रहार करते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब मैं अप्रत्याशित वैश्विक स्थिति, आपूर्ति श्रृंखला और एलपीजी (संकट) पर बात कर रही हूं तो वे अपना एजेंडा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष आसन के करीब आकर हंगामा कर रहा है, यह देश का दुर्भाग्य है। अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच के जरिए, सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में 2.81 लाख करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए लोकसभा से मंजूरी मांगी थी। चालू वित्त वर्ष के लिए बजट में 80,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्राप्तियों के साथ, कुल अतिरिक्त नकदी व्यय 2.01 लाख करोड़ रुपये होगा। विपक्ष के शोरगुल के बीच मंत्री के जवाब के बाद, अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच सहित अन्य विनियोग विधेयक को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया और शोरगुल नहीं थमने पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने सदन की कार्यवाही अपराह्न तीन बजकर चार मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमानों (आरई) के भीतर होगा। एलपीजी की कमी की चिंताओं को लेकर विपक्ष की नारेबाजी के बीच, सीतारमण ने कहा, अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच के कारण 2025-26 के अनुमानित बजट से परे व्यय में कोई वृद्धि नहीं होगी। सीतारमण ने कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए इस अनुपूरक मांग में करीब साढ़े छह हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है और इस तरह पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए कुल आवंटन 2025-26 के लिए 31 मार्च तक करीब साढ़े 14 हजार करोड़ रुपये दिया जा रहा है। इस बीच, कुछ सदस्यों के सत्तापक्ष की सीट के नजदीक पहुंच जाने पर सीतारमण ने कहा कि यदि संसद इसे पारित नहीं करेगी तो यह जारी कैसे होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि 9,000 करोड़ रुपये राज्यों को दिया जा रहा है क्योंकि दिसंबर में संशोधित आकलन के बाद कई राज्यों ने इसकी मांग की थी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, बिना सोचे समझे बात करने वाले नेता प्रतिपक्ष और अन्य विपक्षी सदस्य थोड़ा पढ़ने के बाद सवाल पूछा करिये।

वाम दलों और कांग्रेस का अपवित्र गठबंधन है विकास विरोधी : वैष्णव

नयी दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को वाम दलों और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि ये दल केरल के विकास कार्यों को आगे बढ़ने नहीं दे रहे हैं और राज्य की प्रगति को बाधित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में रेल नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए बजट आवंटन आठ गुना बढ़ाया है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान माकपा सदस्य जॉन ब्रिटास के पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे वैष्णव ने आरोप लगाया कि वाम दलों और कांग्रेस के अपवित्र गठबंधन का किसी भी परियोजना को पूरा करने का इरादा नहीं है। रेल मंत्री ने दोनों दलों के गठबंधन को सीसीपी कम्युनिस्ट कांग्रेस पार्टी करार देते हुए कहा, असल मुद्दा यह है कि कांग्रेस और वाम दलों के बीच एक दिलचस्प गठबंधन है। मैं इसे सीसीपी यानी कम्युनिस्ट कांग्रेस पार्टी कहता हूं और उनका एकमात्र लक्ष्य चल रही हर परियोजना को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इन दलों का किसी भी परियोजना को पूरा करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए ।,900 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं, लेकिन भूमि अधिग्रहण की स्थिति स्पष्ट नहीं है। सबरी रेल लाइन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लंबे प्रयासों के बाद राज्य सरकार ने हाल में भूमि अधिग्रहण शुरू किया है। उन्होंने कहा क्या यह केरल के लोगों की सेवा करने का तरीका है? वैष्णव ने कहा कि समय-समय पर कांग्रेस और वाम दलों की सरकारें रही हैं और इसी कारण वह इस गठबंधन को सीसीपी कहते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा द्वारा स्वीकृत परियोजना को अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरा कर रहे हैं। जब वैष्णव ने यह टिप्पणी की, तब सदन में देवेगौड़ा मौजूद थे। कांग्रेस और वाम दलों के इस अपवित्र गठबंधन का विकास कार्य करने का बिल्कुल इरादा नहीं है। इसलिए परियोजनाओं के पूरा होने में इतने साल लग रहे हैं। एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2009-14 के दौरान केरल में अवसंरचना परियोजनाओं और सुरक्षा कार्यों के लिए औसतन 372 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष आवंटित किए जाते थे।

संक्षेप

रास में पेश हुए 18 निजी विधेयक

नयी दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को अर्थव्यवस्था में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को बढ़ावा देने के प्रावधानों वाले एक विधेयक सहित विभिन्न दलों के सदस्यों द्वारा कुल 18 विधेयक पेश किए गए। उच्च सदन में भारतीय जनता पार्टी के सुजीत कुमार ने सिल्वर अर्थव्यवस्था (विकास और सशक्तिकरण) विधेयक पेश किया। इसमें वरिष्ठ नागरिकों द्वारा अर्थव्यवस्था में योगदान देने तमाम प्रावधान किए गए हैं।

पश्चिम एशिया संकट: विदेश मंत्री ने अपने ईरानी समकक्ष से बात की

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार रात टेलीफोन पर अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बात की। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह चौथी बातचीत है, जो ऐसे समय हुई है जब भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के दोनों ओर खड़े 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के प्रयासों को तेज कर रहा है। अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हमला किए जाने के तुरंत बाद जयशंकर और अराघची ने 28 फरवरी को बातचीत की थी। इसके बाद उन्होंने 5 मार्च और 10 मार्च को भी बात की थी। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा कि बीती रात ईरानी विदेश मंत्री अराघची से एक और बातचीत हुई। द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

बीती रात फोन पर बातचीत ऐसे समय में हुई जब भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक जहाजरानी मार्ग से भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के प्रयासों को तेज कर दिया है। इस समुद्री मार्ग को अमेरिका-इजराइल के साथ संघर्ष बढ़ने के बाद ईरान ने आंशिक रूप से अवरुद्ध कर दिया है।

पाकिस्तान के हवाई हमलों में चार लोगों की मौत: अफगानिस्तान

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने शुक्रवार सुबह पाकिस्तान की सेना पर काबुल और दक्षिणी प्रांत कंधार में रात भर जारी रहे हवाई हमलों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

तालिबान सरकार ने कहा कि हमले में कम से कम चार आम नागरिक मारे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है। सरकारी प्रवक्ता जबिहुल्ला मुजाहिद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि पाकिस्तान के विमान ने कंधार हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन काम एयर से संबंधित ईंधन डिपो (ईंधन भंडार केंद्र) पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि यह कंपनी नागरिक विमानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमान को ईंधन की आपूर्ति करती है। पाकिस्तान की सेना या सरकार की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। फरवरी के आखिर से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अफगानिस्तान ने कहा था कि उसने सीमा पर पाकिस्तानी हमलों के जवाब में पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाकर हमले किए थे।

पाकिस्तान की सेना का कहना है कि उसके अभियानों में सीमा पर मौजूद पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) और उनके समर्थक नेटवर्क को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तानी तालिबान और उनके समर्थक नेटवर्क को अफगानिस्तान ने कभी औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। दोनों पक्षों ने भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है जो वर्षों में उनकी सबसे घातक लड़ाई बन गई है और पाकिस्तान इसे अफगानिस्तान के साथ खुला युद्ध बता रहा है। एक्स पर अपने पोस्ट में मुजाहिद ने दावा किया कि पाकिस्तानी हमलों में अफगानिस्तान के पक्तिया और पक्तिका प्रांतों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कई नागरिक स्थलों और निर्जन स्थानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि काबुल में बच्चों समेत कम से कम चार नागरिक मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। पूरे अफगानिस्तान में हताहतों की कुल संख्या स्पष्ट नहीं है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-ईश्तहार-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत इन्दरपुर/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्रीमती साजमन बाई पिता/पति श्री मोहन राम यादव निवासी इन्दरपुर के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 819/9 रकबा 0.02 हे० जो ग्राम इन्दरपुर प.ह.नं 22 रा०नि०मं० ओड़गी तहसील ओड़गी जिला सूरजपुर में स्थित है के वाणिज्यिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 24/03/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 06/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान
जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम - प.ह.न 14

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शहनाज वेगम पति राहबर अली जाति मुसलमान निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न 14 रा.नि.नं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व० शकुरन का मृत्यु दिनांक 21/ 06 /1991 को ग्राम सिरसी में हुई है. अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने माता स्व० शकुरन का जन्म मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 24/03/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय लखनपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 23/02/2026

प्रति,
समस्त ग्रामवासी,
ग्राम- लैगा
तहसीलदार-लखनपुर

एतद् द्वारा आज जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार आ० दशरू निवासी ग्राम लैगा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने दादा स्व० किरू की मृत्यु दिनांक 12/08/2011 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1969 की धारा 13 (3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 16/03/2026 को सुनवाई की जानी है। आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 16/03/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई नहीं. किया जायेगा।

तहसीलदार
लखनपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)

एनएमएमसी ने नागरिकों से एलपीजी सिलेंडर जमा न करने का आग्रह किया

नवी मुंबई : नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) ने नागरिकों से घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का भंडारण न करने का आग्रह किया है और आश्वासन दिया है कि औद्योगिक और वाणिज्यिक गैस उपलब्धता को प्रभावित करने वाली अस्थायी बाधाओं के बावजूद घरेलू उपयोग के लिए पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है। 12 मार्च को जारी एक आधिकारिक सलाह में, नगर निगम ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में चर्चित कमी औद्योगिक और वाणिज्यिक गैस आपूर्ति से संबंधित है, जो खाड़ी देशों में ₹युद्ध जैसी स्थिति₹ के कारण प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता पर्याप्त है और निवासियों को घबराकर खरीदारी करने से बचना चाहिए। नगरपालिका प्रशासन ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए गैस की सुचारू और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि अस्पतालों और स्कूलों में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए आवश्यक सेवाओं हेतु गैस आपूर्ति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अस्पतालों की रसोई में गैस के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां मरीजों के लिए भोजन तैयार किया जाता है, और स्कूलों के पोषण कार्यक्रमों में भी गैस के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है जो दोपहर के भोजन पकाने के लिए नियमित गैस आपूर्ति पर निर्भर करते हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि गैस सिलेंडरों की जमाखोरी से वितरण प्रणाली पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है और कृत्रिम कमी हो सकती है, जिससे उन अन्य परिवारों पर भी असर पड़ेगा जो दैनिक खाना पकाने की जरूरतों के लिए गैस आपूर्ति पर निर्भर हैं। इसलिए निवासियों को शांत रहने और अधिकारियों द्वारा जारी की गई सत्यापित जानकारी पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है। नगर निगम ने दोहराया कि नागरिकों को केवल आधिकारिक सूचना स्रोतों पर ही भरोसा करना चाहिए और पूरे शहर में एलपीजी के सुचारू वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करना चाहिए। यह सूचना ऐसे समय में आई है जब देश में एलपीजी की भारी कमी है। नवी मुंबई में एलपीजी की आपूर्ति में लगातार हो रही कमी के चलते, शुक्रवार को सुबह 3 बजे से ही सानपाड़ा के निवासी एलपीजी कुकिंग गैस सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारों में लगे देखे गए। इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो में दिखाया गया है कि तड़के ही एक गैस एजेंसी के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई है, लोग खाली सिलेंडर लिए लंबी कतारों में खड़े हैं और आपूर्ति का इंतजार करते हुए आउटलेट को घेरे हुए हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया जारी, आवेदकों के प्रपत्रों की जांच

गोरखपुर। जनपद में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया के तहत विकास भवन सभागार में आवेदकों के प्रपत्रों का सत्यापन कार्य किया जा रहा है। यह सत्यापन प्रक्रिया जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चल रही है, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने आवेदन से संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए पहले आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आवेदन प्राप्त होने के बाद अब पात्रता की जांच के लिए विकास भवन सभागार में प्रपत्रों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। सत्यापन के दौरान अभ्यर्थियों से उनके शैक्षिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवेदक शासन द्वारा निर्धारित मानकों और पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं या नहीं। सत्यापन प्रक्रिया के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं, जहां संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम द्वारा दस्तावेजों की जांच की जा रही है। प्रत्येक आवेदक के मूल प्रमाण पत्रों का मिलान उनके द्वारा जमा किए गए आवेदन पत्र और प्रतियों से किया जा रहा है। इस दौरान किसी प्रकार की त्रुटि या दस्तावेज अधूरे पाए जाने पर अभ्यर्थियों को आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका का पद महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी कई योजनाएं संचालित की जाती हैं। ऐसे में इन पदों पर योग्य और पात्र अभ्यर्थियों का चयन होना आवश्यक है, ताकि केंद्रों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और लाभार्थियों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। विकास भवन सभागार में चल रहे सत्यापन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

राजनांदगांव को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करेंगे : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से नगर पालिक निगम राजनांदगांव के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 226 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने राजनांदगांववासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह भूमिपूजन केवल विकास कार्यों की शुरूआत नहीं, बल्कि शहर के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में राजनांदगांव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर के हर वार्ड तक विकास की किरण पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अमृत मिशन 2.0 के तहत शहर में घरेलू अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार के लिए दो नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इससे गंदे पानी को सीधे नदियों और नालों में जाने से रोका जा सकेगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नगरोउत्थान योजना के अंतर्गत सड़कों का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे यातायात अधिक सुगम

होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में 2 हजार सीटर का विशाल अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाया जाएगा, जो संस्कारधानी की कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह ऑडिटोरियम शहर की एक नई पहचान बनेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर के उन्नयन, नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार तथा शहर के 51 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजनांदगांव केवल स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने वाला शहर न रहे, बल्कि देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि संसाधनों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से विकास कार्यों की गति तेज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मार्गदर्शन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से राजनांदगांव तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके विजन और जनसहभागिता से शहर को छत्तीसगढ़ की एक मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने जिले के विकास से संबंधित लंबित अधोसंरचना प्रस्तावों को भी शीघ्र स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनांदगांव उनके दिल के बेहद करीब है और आज का दिन शहर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि संकल्प बजट 2026-27 में राजनांदगांव जिले के समग्र विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि शिवनाथ नदी के संरक्षण, संवर्द्धन और विकास के लिए 250 करोड़ रुपये की योजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों के माध्यम से अनेक विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 20 करोड़ रुपये, स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 20 करोड़ रुपये, नगरीय प्रशासन विभाग के अंतर्गत 60 करोड़ रुपये, तथा लोक निर्माण विभाग के माध्यम से लगभग 200 करोड़ रुपये के कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि खेल सुविधाओं के विकास के लिए हॉकी स्टेडियम में टर्फ सहित अन्य सुविधाओं के निर्माण हेतु 8 करोड़ 80 लाख रुपये तथा दिग्विजय स्टेडियम में खेल अधोसंरचना सुदृढ़ करने के लिए 6 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है, जिससे युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि भूमिपूजन के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण, सड़क चौड़ीकरण एवं उन्नयन, 2 हजार सीटर ऑडिटोरियम निर्माण, नाला निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, ट्रांसपोर्ट नगर उन्नयन, कचरा प्रबंधन संयंत्र स्थापना तथा स्वच्छता संबंधी कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राजनांदगांव के 51 वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा और शहर के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

कोटवार सम्मेलन का आयोजन, अवैध गतिविधियों की सूचना देने के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में थाना दरिमा, चौकी रघुनाथपुर, केदमा, थाना उदयपुर में पुलिस टीम द्वारा कोटवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य पुलिस की ग्राम स्तर पर पकड़ मजबूत करने एवं सूचना तंत्र को विकसित करना है। पुलिस एवं कोटवार के मध्य आपसी समन्वय बनाए रखने एवं अवैध गतिविधियों की सूचना थाना, चौकी में पहुंचाने सरगुजा पुलिस द्वारा प्रति माह कोटवार सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना दरिमा, चौकी रघुनाथपुर एवं चौकी केदमा थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटवारों का थाना परिसर में सम्मलेन आयोजित किया गया। सम्मलेन के दौरान कोटवारों को ग्राम की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की समझाइस दी गई। कोटवारों को ग्राम स्तर पर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना थाना में प्रदान करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान थाना-चौकी प्रभारियों ने कोटवारों से प्रत्येक ग्राम स्तर की बारीकी से जानकारी प्राप्त की, साथ ही ग्राम स्तर पर आपराधिक गतिविधियों एवं अन्य गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों, गुंडा एवं निगरानी बदमाशों का गुजर-बसर गांव में होने की जानकारी ली। बैठक के दौरान कोटवारों को निरंतर संपर्क में बने रहने के साथ ही ग्राम स्तर पर किसी भी बड़े विवाद, झगड़े, दुर्घटना एवं जमीन विवाद की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस टीम से जानकारी साझा करने की समझाइस दी गई। बैठक में ग्राम कोटवारों से साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों पर भी चर्चा की गई। ऑनलाइन ठगी, फर्जी फोन कॉल्स और बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी साइबर चुनौतियों के बारे में बताया गया। साथ ही इन्हें प्रेरित किया गया कि वे गांव के लोगों को इन खतरों से सतर्क करें और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाएं।

संगठित समाज ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है - इन्दर भगत

दिल्ली में होने वाले डीलिस्टिंग आंदोलन में देशभर से जनजातीय समाज का उमड़ेगा सैलाब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। देशभर के जनजातीय समाज में चल रहे दिल्ली समर की तैयारियों के बीच जनजाति सुरक्षा मंच, विकासखंड उदयपुर का विकासखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को जशपुर प्रांत सह संयोजक इंदर भगत ने संबोधित करते हुए कहा कि संविधान लागू होने के साथ ही जनजाति समाज को मिलने वाले आरक्षण के लाभ का बहुत बड़ा हिस्सा जनजातीय समाज के धर्मांतरित होकर ईसाई और मुसलमान बने लोगों के द्वारा लिया जा रहा है। इस गंभीर विषय को सबसे पहले लोहरदगा के सांसद बाबा कार्तिक उरांव ने समझा और उन्होंने सांसद पटल पर इस मांग को उठाया, तब से यह मांग देशभर में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई दशकों से यह आंदोलन लगातार है, यह मांग अभी भी अधूरा है और धर्मांतरितों द्वारा जनजातियों को मिलने वाला हक, अधिकार, आरक्षण का 80 प्रतिशत से ज्यादा लाभ लिया जा रहा है। इस अन्याय को खत्म करने के लिए यह आंदोलन किया जा रहा है। इसे लेकर सबसे पहले हमने विकासखंड, जिला और प्रदेश स्तर की हजारों की संख्या की रैलियां संपन्न की हैं। यह पहला अवसर है, जब पूरे देश का जनजातीय समाज दिल्ली कूच कर रहा है। उन्होंने पंजीयन कार्य को डीलिस्टिंग महारैली अभियान की सबसे महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि दिल्ली में होने वाली डी-लिस्टिंग गर्जना महारैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए अधिकाधिक समाज के लोगों से पंजीयन कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर समाज के लोगों को इस आंदोलन के महत्व से अवगत कराए और अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन सुनिश्चित करे। संगठित समाज ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। कार्यशाला के दौरान कार्यकताओं को दायित्व दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक समाज के लोगों का पंजीयन कराएं और 24 मई को दिल्ली में आयोजित होने वाली महारैली में भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सरगुजा जिला संयोजक बिहारी लाल उरांव, अखण्ड विधायक सिंह, प्रबोध सिंह, त्रिलोचन सिंह, अर्जुन सिंह पैंकरा, तिलेश्वर सिदार, सार्थक, राजेश सिदार, समय लाल सिदार, अमर नाथ सिदार, पुरन साय, सखा राम, उमाशंकर, पारस नाथ, कन्हाई राम, देवनारायण सिंह, हीरा सिंह पैंकरा, राम विलास, नन्द लाल पैंकरा सहित जनजाति समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सामाजिक अगुवा उपस्थित रहे।

नवागढ़ की प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार सजग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कोंडागांव जिले के नवागढ़ क्षेत्र में प्राप्त प्राचीन पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में त्वरित संज्ञान लिया है। मंत्री अग्रवाल ने पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय को निर्देशित किया है कि नवागढ़ क्षेत्र में उपलब्ध प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य पुरातात्विक अवशेषों का विशेषज्ञ दल के माध्यम से शीघ्र स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि नवागढ़ क्षेत्र में 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी से संबंधित प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य अवशेषों की जानकारी सामने आने के बाद इस स्थल का वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेषज्ञ दल द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध सभी प्रतिमाओं, स्थापत्य अवशेषों, शिल्प कलाकृतियों और संभावित पुरातात्विक स्थलों का सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तथा उनका विस्तृत दस्तावेजीकरण भी किया जाए, ताकि इन धरोहरों के ऐतिहासिक महत्व का समुचित आकलन किया जा सके। उन्होंने

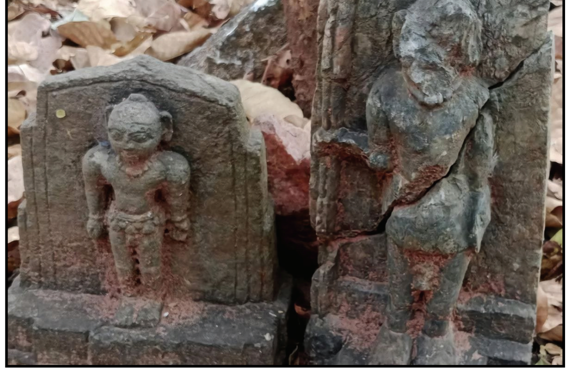

कहा कि सर्वेक्षण और स्थल निरीक्षण से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यकतानुसार इन पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। यदि स्थल का ऐतिहासिक महत्व प्रमाणित होता है, तो उसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन सभ्यताओं, स्थापत्य कला और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिपूर्ण रही है। प्रदेश के अनेक अंचलों में ऐसे महत्वपूर्ण स्थल हैं, जिनका व्यवस्थित अध्ययन और संरक्षण किए जाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन धरोहरों की पहचान, संरक्षण और उनके वैज्ञानिक अध्ययन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शोधकताओं, इतिहासकारों और आम नागरिकों की सहभागिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों का संरक्षण केवल अतीत को सुरक्षित रखने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और इतिहास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ऐतिहासिक स्थलों और पुरातात्विक धरोहरों को संरक्षण के साथ-साथ अध्ययन, शोध और सांस्कृतिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी विकसित किया जाए, जिससे प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को व्यापक पहचान मिले और स्थानीय स्तर पर पर्यटन एवं रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो सके।

100 बड़े बकायादारों की सूची नगर निगम करेगा सार्वजनिक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजस्व विभाग संपत्ति कर नहीं चुकाने वाले बड़े बकायादारों के खिलाफ नगर पालिक निगम रायपुर सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। निगम ने शहर के 10 जोनों से 10-10 बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर ली है और जल्द ही कुल 100 बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक किए जा सकते हैं। नगर निगम के अनुसार, यदि संबंधित बकायादारों ने जल्द ही बकाया संपत्ति कर जमा नहीं किया तो उनके खिलाफ कुर्की और सीलबंदी की कार्रवाई की जाएगी। राजस्व विभाग ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई से बचने के लिए सभी बकायादार जल्द से जल्द अपना बकाया कर जमा कर दें। निगम प्रशासन ने शहर के सभी संपत्तिकरदाताओं से भी अपील की है कि वे 31 मार्च 2026 से पहले अपना देय कर जमा कर दें। अंतिम तिथि के बाद कर जमा नहीं करने पर नियमानुसार 17 प्रतिशत अधिभार के साथ वसूली की जाएगी। जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों के राजस्व विभाग 31 मार्च 2026 तक प्रत्येक शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे। नागरिक अपने संबंधित जोन कार्यालय में जाकर संपत्ति कर जमा कर सकते हैं।

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने ली जनरल परेड की सलामी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। स्थानीय रक्षित केंद्र में 13 मार्च को आयोजित जनरल परेड की सलामी डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा ली गई, तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण के दौरान डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने अधिकारी-कर्मचारियों के टर्न आउट का निरीक्षण कर टोलीवार परेड कराया। टर्न आउट एवं परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को ईनाम देकर प्रोत्साहित किया गया। रक्षित केंद्र के स्टोर शाखा में रखे सामग्रियों के रख-रखाव एवं सही समय पर जवानों को वितरण हेतु निर्देश दिए एवं अन्य उपयोगी उपकरणों को समय-समय पर मरम्मत कराने एवं मेंटेन रखने कहा। आर्म्स शाखा का निरीक्षण करने के दौरान हथियारों को

सुरक्षित रखने तथा नियमित रूप से सफाई व मेंटेन रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। रक्षित केंद्र में जवानों के वेलफेयर हेतु संचालित पुलिस यूनिट बैंक द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों को आवश्यकता अनुसार समय-समय पर लाभ पहुंचाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए। वाहन शाखा के निरीक्षण दौरान शासकीय वाहनों की अद्यतन स्थिति, रख-रखाव एवं लॉग बुक चेक किया। बीपी एवं जैमर वाहन सहित अन्य मौजूद वाहनों को सही हालत में रखने हेतु वाहन शाखा प्रभारी को निर्देशित किया गया। जनरल परेड के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, उप पुलिस अधीक्षक अमृत कुजूर, उप पुलिस अधीक्षक राकेश बघेल, उप पुलिस अधीक्षक अजाक सुरेश भगत, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण तूल सिंह पट्टावी, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, थाना प्रभारी लुंड्रा निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुनीता भारद्वाज सहित थाना-चौकी एवं कार्यालय से कुल 174 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेल अधोसंरचना के विकास से निखर रही प्रदेश की प्रतिभाएँ : विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित एक गरिमामय समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी को टाटा सिएरा कार उपहार स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रीमती आकांक्षा को बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने विश्व कप जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए टाटा मोटर्स द्वारा कार उपहार देने की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता

के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना के निरंतर विकास से प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे प्रयासों के माध्यम से प्रदेश के सुदूर अंचलों के युवा भी खेलों से जुड़ रहे हैं। वहीं नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी प्रदेश को मिलने से भी राज्य में खेलों के लिए सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि पिछली मुलाकात के दौरान भी आकांक्षा का आत्मविश्वास और ऊर्जा बेहद प्रेरणादायक थी और आज भी उनमें वही उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही जज्बा भविष्य में होने वाले विश्व कप में भी टीम को सफलता दिलाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी ने कहा कि विश्व कप जीतकर लौटने के बाद सबसे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूरी टीम का उत्साहवर्धन किया और प्रदेश की बेटी के नाते उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री का यह स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा उनका मनोबल बढ़ाता है। श्रीमती आकांक्षा ने कहा कि आज मुख्यमंत्री से यह सम्मान प्राप्त कर उनका दिन यादगार बन गया है और यह पल उनके जीवन में हमेशा विशेष रहेगा। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में टीम में अपनी भूमिका तथा विश्व कप जीत की यात्रा से जुड़े अनुभव भी साझा किए। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में टाटा मोटर्स द्वारा टाटा सिएरा एसयूवी कार उपहार स्वरूप प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की निवासी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी को भी आज टाटा सिएरा कार भेंट की गई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के सम्मान में टाटा मोटर्स ने टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को सिएरा एसयूवी के टॉप-एंड मॉडल भेंट करने की घोषणा की थी। इस अवसर पर भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, श्रीमती आकांक्षा के परिजन तथा टाटा मोटर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिले के भटगांव क्षेत्र में अवैध एलपीजी सिलेंडर भंडारण पर कार्रवाई, 35 सिलेंडर जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में घरेलू गैस के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी पर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। पिछले दो दिनों में राजस्व, खाद्य व पुलिस टीम ने जिले के 17 विभिन्न प्रतिष्ठानो व व्यवसायियों के गोदामो में छापामारी कर 58 नग घरेलू गैस सिलेंडर और अन्य अवैध सामग्री जप्त किया था। टी वहीं तीसरे दिन शनिवार को जिले के भटगांव तहसील अंतर्गत ग्राम करकोली नया में प्रशासन द्वारा अवैध रूप से भंडारित एलपीजी गैस सिलेंडरों के खिलाफ कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान महेश गुप्ता के गोदाम से 35 एलपीजी गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोदाम में 23 भरे हुए तथा 12 खाली सिलेंडर अवैध रूप से भंडारित पाए गए। सूचना मिलने पर राजस्व, खाद्य एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और सिलेंडरों को जब्त कर लिया। जिला खाद्य अधिकारी संदीप भगत ने कहा है कि अवैध रूप से गैस सिलेंडर का भंडारण करने वालों के खिलाफ प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है जो निरंतर जारी रहेगी। प्रशासन के द्वारा लगातार की जा रही इस कार्रवाई से सिलेंडर का अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी करने वालो में हड़कंप का माहौल है।

घुमंतू और जब्त गौवंशों का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित करना गौधाम योजना का उद्देश्य : विष्णुदेव

मुख्यमंत्री ने किया सुरभि गौधाम का वर्चुअल शुभारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा वर्चुअल रूप में उपस्थित होकर सूरजपुर में निराश्रित एवं घुमंतू गौवंश के संरक्षण और समुचित व्यवस्थापन के लिए सुरभि गौधाम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित किया गया था। इस सुरभि गौधाम का संचालन मां भगवती देवी गौ सेवा समिति द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता रजवाड़े, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, एडिशनल एसपी रितेश चौधरी, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल तथा पशुपालन विभाग के डीडी नृपेंद्र सिंह , माँ भगवती गौशाला समिति के अध्यक्ष भोला प्रसाद अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय ने बिलासपुर जिले के गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रेक्षागार में आयोजित कार्यक्रम से प्रदेश में गौधाम योजना का औपचारिक शुभारंभ किया। इस दौरान सूरजपुर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 29 गौधामों का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम, छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए.इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में यह योजना एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गाय एक ऐसी प्राणी है जिसके सबकुछ उपयोगी है। इस योजना के आने से सड़को पर अब गौवंशी पशुओं का संरक्षण किया जा सकेगा। इसके अलावा इस योजना अंतर्गत पशुपालकों को गौ उत्पाद से बनने वाले अन्य उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। निश्चित रूप से यह पशुपालकों को आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा। सरकार की इस योजना के तहत राज्य के प्रत्येक विकासखंड में 10 गौधाम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अनुसार पूरे राज्य में कुल 1460 गौधाम स्थापित किए जाएंगे, जहां गौवंश के लिए शेड, फेंसिंग, पेयजल और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में शासन द्वारा 36 गौधामों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जिनमें से 29 गौधामों का पंजीयन छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग में हो चुका है। गौधाम योजना का मुख्य उद्देश्य निराश्रित, घुमंतू और जब्त किए गए गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित करना है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न मदों में वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। योजना के तहत गौवंश के पोषण आहार के लिए पहले वर्ष 10 रुपये, दूसरे वर्ष 20 रुपये, तीसरे वर्ष 30 रुपये और चौथे वर्ष से 35 रुपये प्रतिदिन प्रति पशु अनुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त अधोसंरचना निर्माण एवं मरम्मत के लिए प्रति गौधाम प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का प्रावधान रखा गया है। गौसेवकों को 13,126 रुपये तथा चरवाहों को 10,916 रुपये प्रति माह मानदेय दिया जाएगा। चारा विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रति एकड़ 47 हजार रुपये प्रतिवर्ष की सहायता प्रदान की जाएगी, जिसमें अधिकतम 5 एकड़ भूमि तक 2.35 लाख रुपये वार्षिक सहायता का प्रावधान है। प्रत्येक गौधाम में लगभग 200 गौवंश को रखने की व्यवस्था की गई है।

इस योजना के संचालन के लिए पंजीकृत गौशाला समितियां, स्वयंसेवी संस्थाएं, ट्रस्ट, गैर-सरकारी संगठन, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियां और सहकारी समितियां पात्र होंगी। इस पहल से निश्चित रुप से सड़कों और गांवों में घूमने वाले निराश्रित पशुओं के आवास की समस्या में कमी आएगी और गौवंश संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

पारदर्शी और सुव्यवस्थित हो राशन वितरण, संचालकों को निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जनपद सभाकक्ष में शनिवार को विकासखंड के समस्त उचित मूल्य दुकान संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राशन वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने, लंबित कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करने तथा हितग्राहियों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए गए। इ-केवाईसी और लंबित राशि जमा करने के निर्देश बैठक में दुकान संचालकों को दिया गया। इस हेतु गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध मेरा ई-केवाईसी ऐप के माध्यम से हितग्राहियों को स्वयं ई-केवाईसी करने के लिए प्रेरित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही जनवरी एवं फरवरी माह की लंबित डी.ओ. राशि अविलंब जमा कराने को कहा गया। मार्च वितरण एवं चावल उत्सव। दुकान संचालकों को मार्च माह का राशन वितरण 20 तारीख तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रत्येक माह की 7 तारीख को चावल उत्सव आयोजित करने तथा आगामी 3 माह के लिए एकमुश्त भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि दुकान संचालक अपने क्षेत्र के मृत हितग्राहियों के नाम की सूची शीघ्र प्रस्तुत करें, ताकि राशन कार्ड से उनके नाम की विधिवत कटौती की जा सके और वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

दुकानों में साफ-सफाई और जानकारी प्रदर्शन अनिवार्य

दुकान संचालकों को निर्देश दिया गया कि एक सप्ताह के भीतर अपनी दुकानों में साफ-सफाई, पेयजल की व्यवस्था तथा हितग्राहियों के लिए मूलभूत जानकारी का प्रदर्शन सुनिश्चित किया जाए, जिससे हितग्राहियों को उनके अधिकारों और सुविधाओं की जानकारी सहजता से प्राप्त हो सके।बैठक में विकासखंड के समस्त उचित मूल्य दुकान संचालक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मृत आरक्षक के परिवार को दी गई 1 करोड़ की सहायता राशि

0 पुलिस सैलरी पैकेज के तहत मिली राशि
0 एसएसपी व एसबीआई रिजनल मैनेजर ने दिवंगत आरक्षक के गृहग्राम चकेरी पहुंच सौपा चेक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ड्यूटी जाने के दौरान सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए जिले के आरक्षक मसत राम पैंकरा के परिजनों को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर व एसबीआई रिजनल मैनेजर अविनाश पाणिग्रही दिवंगत आरक्षक के गृहग्राम चकेरी, शर्मा थाना उदयपुर, जिला सरगुजा जाकर आरक्षक की धर्मपत्नी कुसुम सिंह को यह राशि चेक के माध्यम से सौंपी।आरक्षक मसत राम पैंकरा सूरजपुर जिले में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे और एसएसपी सूरजपुर के गनमैन थे। उनका आकस्मिक निधन 17 सितम्बर 2025 को ड्यूटी जाने दौरान एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। इस घटना पर पुलिस विभाग ने गहरा शोक व्यक्त किया था।

डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बैंकअधिकारियों के साथ बीते शुक्रवार 13 मार्च को आरक्षक की धर्मपत्नी कुसुम सिंह व परिजनों को सांत्वना देते हुए भारतीय स्टेट बैंक शाखा से 1 करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। यह सहायता पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दी गई है। दिवंगत आरक्षक की धर्मपत्नी व परिजनों ने आर्थिक सहायता प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, पुलिस प्रशासन और बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विदित हो कि आरक्षक की आकस्मिक मृत्यु उपरान्त उनके बड़े पुत्र गणेश प्रसाद को अनुकम्पा नियुक्ति नव आरक्षक के पद पर हुई है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी, कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रित परिवार को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। इस अवसर पर डिप्टी मैनेजर प्रेमशंकर सिंह, दिवगंत आरक्षक के पिता बीर सिंह सहित उनके परिजन मौजूद रहे।

जन जातियों के हक और अधिकार का लाभ उठा रहे धर्मांतरिक लोग : संत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में शनिवार को यहां जिला मुख्यालय के अटलकुंज में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में जनजाति समुदाय के लोग उपस्थित हुए। उपस्थित जनजातियों को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि धर्मांतरित लोग जनजातियों के हक और अधिकार को लूट रहे हैं। अब सजग होने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 24 मई को दिल्ली में जनजातिय सुरक्षा मंच के बैनर तले जनजातियों का शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा,, और सरकार से अपने मूल धर्म को छोड़कर दूसरे धर्म को अपनाने वाले ऐसे लोगों को डिलिस्टिंग की मांग की जाएगी। इसके लिए जिले भर में तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। सभी विकासखंडों में कार्यशाला आयोजित कर जनजातियों को एकजुट किया जा रहा है। विकासखंड सूरजपुर में आयोजित कार्यशाला के दौरान उपस्थित लोगों से कहा गया कि सभी अपने-अपने क्षेत्र में दिल्ली चलने की तैयारी को लेकर समाज में बैठक करेंगे और इसके प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया।

डीलिस्टिंग की मांग, दिल्ली में 24 मई को होगा शक्ति प्रदर्शन

24 मई को दिल्ली में देश के विभिन्न प्रांतों से 28 लाख से अधिक जनजाति दिल्ली के रामलीला मैदान में जुटेंगें। कार्यशाला में उपस्थित जिला संयोजक संत सिंह ने कहा कि आजादी के इतने सालों बाद भी जनजाति अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जन जातियों के हक और अधिकार का लाभ धर्मांतरिक हो चुके लोग उठा रहे हैं। ऐसे लोगों को डिलिस्टिंग होनी चाहिए। दिल्ली में आयोजित महागर्जना रैली में शामिल होने के लिए आयोजित इस कार्यशाला में जिला सहसंयोजक कामता प्रसाद सिंह , देवेंद्र सिंह विकासखंड संयोजक, गोपाल राम जिला संगठन मंत्री, जयंती भगत, शशिकिरण खेस,

आमवती नेताम, स्वाति सिंह जनपद अध्यक्ष, रामस्वरूप सिंह, सतबीर सिंह, कुंवर साय सिंह, जीतराम मिंज, दुर्गा यादव, अनेश टोप्पो, मनोज सिंह, मोहर साय सिंह, सुरेश सिरदार, निकुंज सिरदार, जय भारती सिंह। सहित बड़ी संख्या में जनजातीय सुरक्षा मंच के पदाधिकारी सरपंच एवं अन्य उपस्थित रहे।

जिले के 52 स्वास्थ्य केन्द्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त किया एनक्यूएएस सरटिफिकेशन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। इस क्रम में जिले की 52 शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर एनक्यूएएस सरटिफिकेशन प्राप्त किया है। जिले की राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणित स्वास्थ्य संस्थाओ में जिला चिकित्सालय, 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिसमें बसदेई, केतका, अजबनगर, सोनगरा, चुनगढ़ी, सिलोटा, धरमपुर, पंपापुर, रमकोला, धरसेड़ी, गणेशपुर, लांजित, देवनगर, चंदरपुर, चेन्द्र, भांड़ी, गोरपानी, मोहरसोप, सलका एवं 32 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शिवप्रसादनगर, खोपा, नावापाराकला, दवनकरा, केवरा बोझा, जजावल, पकनी, पलढ़ा, नारायणपुर, बरबसपुर, चपदा, मेन्ड्रा, भांड़ी, रघुनाथपुर, नयाकरकोली, भाकुरा, पीढ़ा, कपसरा पकनी, इंदरपुर, कमलपुर, रामनगर, जयनगर, गंगापुर, डेडरी, सुन्दरपुर, रामेश्वरम, सरमा, अखोरा, नयनपुर एवं कुरूवा शामिल है। इस वर्ष फरवरी 2026 में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विश्रामपुर, प्रतापपुर तथा भैयाथान का एनक्यूएएस मूल्यांकन कराया गया।चेकलिस्ट अनुसार लगातार 03 दिनों तक अस्पताल के दस विभाग, समान्य प्रशासन, आई.पी.डी., ओ.पी.डी.,लैब, प्रसव कक्ष, आपातकालीन सेवा, एन.बी.एस.यू. आक्जिलेरी सेवा, रेडियोलॉजी, इन्फेक्शन कंट्रोल तथा संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रम को राष्ट्रीय मानक के आधार पर आंकलन प्रारंभ कर अस्पताल के सभी विभागों की सेवाओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों की कार्यकुशलता को परख कर इलाज के दौरान मरीजों से किए जा रहे व्यवहार सेकेंड विथ ओकेईएन स्कैन को भी आंका गया। इसी क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंजा, बतरा, करसी, करंजी का भी दो दिवसीय तथा 14 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का 01 दिवसीय एनक्यूएएस मूल्यांकन कराया गया है। वर्तमान में जिले में 52 स्वास्थ्य संस्थाएं राष्ट्रीय स्तर पर एनक्यूएएस प्रमाणित है, 21 स्वास्थ्य संस्थाए मूल्यांकन पश्चात परिणाम प्रतीक्षित है, 15 स्वास्थ्य संस्थाओं का मार्च अप्रैल में मूल्यांकन होना है तथा अभी भी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र एनक्यूएएस प्रमाणीकरण हेतु आवेदन कर ही रही है, वर्तमान में जिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण में राज्य में प्रथम रैंक में है जो हर्ष का विषय है, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बढ़ाने की यह महत्वपूर्ण पहल है। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सेवाओं में सुधार एवं उन्हे मान्यता देने के लिए विकसित एक व्यापक प्रमाणीकरण मानक है। यह मूल्यांकन केन्द्र स्तर से गठित टीम द्वारा किया जाता है।

यह 8 प्रमुख क्षेत्र सर्विस प्रोवाइजन, पेटेंट राइट्स, इन्पुटस, स्पोर्टस सर्विस, क्लिनिकल केयर इंफेक्शन कंट्रोल, क्वालिटी मेनेजमेंट एवं आउटकम पर केन्द्रित है इसका उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्वास्थ्य केन्द्रों को पहचान एवं मूल्यांकन कर प्रमाणित करना तथा शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रो की विश्वसनीयता में सुधार करना है।

कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

सूचना

पशुधन विकास विभाग, जिला सूरजपुर (छ.ग.) अंतर्गत राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCA) के तहत एफ.एम.डी. खुरहा-चपका पशु रोग के नियंत्रण एवं उन्मूलन हेतु जिले में चरणबद्ध तरीके से चलाये जा रहे सघन टीकाकरण अभियान के 7 वें चरण का शुभारंभ दिनांक 15.03.2026 से लेकर 30.04.2026 तक होने जा रहा है। सभी ग्रामीण/नगरीय पशुपालकों एवं जनप्रतिनिधियों से अनुरोध सह अपील है कि अपने-अपने ग्रामीण/नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय पशु चिकित्सा विभागीय अमलो के साथ मिलकर अपने गौवंशीय/भैसवंशीय पशुधन (6 माह से उपर के सभी पशु) में शत् प्रतिशत निःशुल्क टीकाकरण कराकर एफ.एम.डी. खुरहा-चपका पशु रोग के उन्मूलन में अपनी सहभागिता प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनावे।

उपसंचालक
पशु चिकित्सा सेवायें
जिलाः सूरजपुर (छ.ग.)

जी-252607174/2

बच्चों की शिक्षा में माताओं और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : डीईओ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तरीय अंगना मां शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत संकुल नोडल एवं स्मार्ट माताओं का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम मंगल भवन, रामानुजनगर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू की विशेष उपस्थिति रही। विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामानुजनगर डी.एस. लकड़ा के स्वागत उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। माँ और शिक्षक की संयुक्त भूमिका पर बल

जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने स्मार्ट माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा में माताओं और शिक्षकों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने आह्वान किया कि दोनों मिलकर छात्रों को विद्यालय से निरंतर जोड़े रखें और घर में उनके विद्यालयीन अध्यापन की नियमित निगरानी करें।

माता बच्चे की प्रथम गुरु : डीएमसी बुनियादी शिक्षा में माँ की भूमिका सुनिश्चित करना है लक्ष्य

जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि अंगना मां शिक्षा कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्राइमरी एवं प्री-प्राइमरी कक्षाओं के छात्रों को गणित एवं भाषा की बुनियादी समझ दिलाने में माताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि माता बच्चे की प्रथम गुरु होती है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से माताओं को यह सिखाया जाएगा कि बच्चा घर में भी अपना अध्यापन निरंतर जारी रखे और विद्यालय में उसकी प्रतिदिन की उपस्थिति सुनिश्चित हो। विद्वान व्याख्याता हरेकृष्ण उपाध्याय ने कहा कि स्मार्ट माताओं के सहयोग से छोटे बच्चों की बेहतर और प्रभावशाली स्कूलिंग सुनिश्चित की जा सकती है। कार्यक्रम में स्मार्ट माताओं ने तीली बंडल बनाओ, कुर्सी दौड़ एवं गुब्बारा गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन रोचक शैक्षिक गतिविधियों ने माताओं को बच्चों के सीखने की प्रक्रिया से व्यावहारिक रूप से जोड़ा।

कार्यक्रम का कुशल संचालन संकुल समन्वयक विनय चौरसिया ने किया तथा आभार प्रदर्शन बीआरसीसी मनोज जायसवाल ने किया।

इस अवसर पर ऋषि दुबे, बीपीओ साक्षर भारत रविनाथ तिवारी, संकुल समन्वयक उत्तम सिंह भैना, मनोज प्रजापति, जयप्रकाश बरेठा, बीआरपी सुश्री नीलम पटेल, डेटा एंट्री ऑपरेटर बृजलाल साहू, मास्टर ट्रेनर्स सुश्री नीलम दास, सुश्री गीता ठाकुर, सुश्री अनुराधा साहू, सुश्री प्रियंका सिंह, सुश्री अंजू गुप्ता सहित सूरज, मुकेश, मनोज राजवाड़े एवं बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं तथा माताएं उपस्थित रहीं।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555 9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक, कहा-बीएमओ दायित्वों के प्रति गंभीर रहें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिले में स्वास्थ्य केंद्रों, चिकित्सकों, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसंबंधित उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने विकासखण्डवार समीक्षा की तथा कहा कि विकासखण्ड में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी बीएमओ की है, इसलिए गम्भीरता से दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि जिले के पहुंचविहीन सुदूर क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। पीवीटीजी बसाहटों में विशेष मॉनिटरिंग की आवश्यकता है। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि चिरायु की टीम नियमित रूप से स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों का स्वास्थ्य जांच करें। उन्होंने आयुष्मान भारत कार्ड में पंजीयन की जानकारी ली तथा सीएमएचओ को पंजीयन संख्या बढ़ाने निर्देशित किया। उन्होंने शेष आयुष्मान कार्ड को समय पर पूर्ण करने निर्देशित किया।

उन्होंने टी.बी. उन्मूलन के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा जांच, पॉजिटिव मरीजों की संख्या, निक्षय निरामय जांच एवं उपचार अभियान के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने सभी बीएमओ को अपने-अपने क्षेत्र के टीबी मरीजों की जानकारी सम्बंधित जनपद पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराने कहा ताकि ग्राम पंचायत के माध्यम से मरीजों को पोषण आहार सहायता मिल सके। कलेक्टर ने जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली तथा नियमित जांच, पॉजिटिव मरीजों का पूर्ण रूप से इलाज सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने चिकित्सकों द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों में मरीजों के अनावश्यक रेफरल की जानकारी ली तथा कहा कि इस प्रकार की स्थिति ना बने अन्यथा सम्बन्धित पर आवश्यक कार्रवाई होगी। बैठक में आयुष विभाग द्वारा जारी कार्यक्रमों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर हुई चर्चा

बैठक में कलेक्टर ने जिले में स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों एवं स्टाफ, एनएचएम अंतर्गत रिक्त पदों पर जारी भर्ती प्रक्रिया में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन संस्थानों के नवीन भवन बनकर तैयार हैं, वहां पदों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र भवनों की उपलब्धता, स्वास्थ्य केंद्रों में लैब टेस्ट की जानकारी ली और कहा कि मरीजों को असुविधा ना हो इसलिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता रहे और सभी चालू रहें। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई।। इसके साथ ही जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, आमजनों तक सेवाओं की पहुंच सहित अन्य महत्वपूर्ण मानकों के सम्बंध में विस्तृत जानकारी ली गई।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने दिए निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के एचआरपी चिन्हांकन होने के बाद उनकी लगातार मॉनिटरिंग की जाए, इस हेतु मितानिनों की मदद लें। उन्होंने शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए लोगों को प्रेरित करने कहा। पीएचसी एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं के आवश्यक जांच पश्चात विशेष परिस्थिति में ही जिला अस्पताल रेफर किया जाए। इसी प्रकार उन्होंने अन्य मरीजों को भी अनावश्यक जिला अस्पताल रेफर नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुदूर क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें, पहुंचविहीन क्षेत्रों में गृह प्रसव को कम करना होगा। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण आहार उपलब्ध कराना, गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, आवश्यक दवाइयों, टीकाकरण आदि सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में फरवरी माह में शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे के बीच हुए प्रसव की जानकारी उपलब्ध कराने निर्देशित किया।

असामाजिक गतिविधियों और गुण्डा-बदमाशों का गुजर-बसर गांव में होने पर पुलिस को दें सूचना

कोतवाली टीआई ने कोटवारों की बैठक लेकर कहा-अपराधिक गतिविधियों को पुलिस से करें साझा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में जिले के पुलिस थाना और चौकी में कोटवार सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कोतवाली थाना में आयोजित सम्मेलन में कोटवारों को ग्रामीण क्षेत्रों की सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया। कोटवारों को ग्राम सुरक्षा के संबंध में पहल के लिए आवश्यक टिप्स दिए गए। पुलिस एवं कोटवार के मध्य आपसी समन्वय बनाए रखने और अवैध गतिविधियों की सूचना थाना, चौकी में पहुंचाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा प्रति माह कोटवार सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है, साथ ही पुलिस की ग्राम स्तर पर पकड़ मजबूत करने एवं सूचना तंत्र को विकसित करने के उद्देश्य से सभी थाना, चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में कोटवार सम्मेलन का आयोजन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटवारों का थाना परिसर में सम्मलेन आयोजित किया गया। सम्मलेन के दौरान ग्राम कोटवारों कों ग्राम की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की समझाइस दी गई। कोटवारों के सहायता से ग्राम स्तर पर आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त व्यक्तियों की सूचना थाना में प्रदान करने संबंधी विशेष दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा ने कोटवारों से प्रत्येक ग्राम की बारीकी से जानकारी प्राप्त की, साथ ही ग्राम स्तर पर आपराधिक एवं अन्य गतिविधियों में शामिल लोगों, गुंडा बदमाशों एवं निगरानी बदमाशों के गांव में गुजर-बसर की जानकारी ली गई। बैठक के दौरान कोटवारों को निरंतर संपर्क में बने रहने के साथ ही ग्राम स्तर पर किसी भी बड़े विवाद, झगड़े, दुर्घटना एवं जमीन विवाद की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस टीम से साझा करने कहा गया। बैठक में ग्राम कोटवारों से साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों पर भी चर्चा की गई। इन्हें ऑनलाइन ठगी, फर्जी फोन कॉल्स और बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी साइबर चुनौतियों के बारे में बताया गया, साथ ही उन्हें गांव के लोगों को इन खतरों से सतर्क करने और साइबर जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सकालो का परिमल मंडल पिता स्व. प्रफुल्ल मंडल 47 वर्ष, 13 मार्च को मजदूर को छोड़ने के लिए मोटरसायकल से कल्याणपुर गया था। यहां से वापस आते समय सकालो जंगल में अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे ठोकर मार दिया। घटना की सूचना मिलने पर स्वजन, संजीवनी 108 एम्बुलेंस से घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां रात करीब 10.30 बजे जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में जल संरक्षण पर हुई कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सुजीत केशरी, क्षेत्रीय सहायक पी.एच.ई. डिपार्टमेंट के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम के संबंध में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा एवं विभागाध्यक्ष रानी रजक ने प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सुजित केशरी ने कहा कि जल के बिना हमारा जीवन असंभव है। जल का उपयोग सभी किसी न किसी रूप में करते ही रहते हैं। जल के बिना जीवन की कल्पना व्यर्थ है। जल प्रकृति में ठोस, द्रव एवं गैस के रूप में पाया जाता है। रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन जल से पृथ्वी का लगभग 71: भाग जल से ढका हुआ है। इसमें से अधिकांश जल समुद्रों में समाहित है, जो खारा है। पीने योग्य मीठा जल बहुत कम मात्रा में उपलब्ध है। ऐसे में हमें जल का उपयोग बहुत सोच-समझकर करना चाहिए।

कोतवाली पुलिस टीम ने 04 गुम इंसान को बरामद किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में कोतवाली थाना पुलिस ने 04 गुम इंसानों को बरामद करके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक 07 फरवरी 26 को थाना कोतवाली अंबिकापुर में प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 05 फरवरी 26 से उसकी मां गायब है। पड़ोसियों एवं रिश्तेदारों के यहां तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस टीम उक्त महिला के तलाश में लगी थी, जिसे सकुशल बरामद कर स्वजन के सुपुर्द किया गया है। बताया जा रहा है कि घर से जाने के बाद महिला अपने ही परिजनों के पास थी। दूसरे प्रकरण में प्रार्थी द्वारा 03 दिसम्बर 25 को रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि 29.11.25 को उसकी पत्नी घर से बिना बताए कहीं चली गई है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल पा रहा है। खोजबीन के दौरान पुलिस ने गुम महिला को परिजनों के पास से दस्तायाब किया है। तीसरे प्रकरण में प्रार्थी ने 03 मार्च 26 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 02 मार्च 26 को उसका लड़का घर से बिना बताए कहीं चला गया है, खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। पुलिस टीम ने उसे सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। एक अन्य प्रकरण में 11 मार्च 26 को थाना कोतवाली में प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 09 मार्च को उसकी पत्नी अपने बच्चे को साथ लेकर घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पुलिस ने महिला एवं बच्चे को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, महिला प्रधान आरक्षक राधा यादव, आरक्षक संजीव चैबे, दीपक दास, आलोक गुप्ता सक्रिय रहे। सरगुजा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि गुमशुदगी के मामलों में संवेदनशीलता बरतें और नजदीकी पुलिस थाना में सूचनाओं का आदान-प्रदान करें, जिससे त्वरित कार्रवाई की जा सके।

चोरी की मोटरसायकल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना मणीपुर पुलिस टीम ने चोरी की मोटरसायकल बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम भवराडांड का शिवशंकर खलखो वर्तमान में गंगापुर में रहता है। वह अपने मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीएल 0190 से रिश्तेदार को खाना पहुंचाने के लिए जिला अस्पताल गया था, और मोटरसायकल को अस्पताल के बाहर खड़ा करके खाना देने अंदर चला गया था। खाना देकर वापस आया तो उसका मोटरसायकल खड़ा किए गए स्थान पर नहीं था। काफी तलाश के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। मामले में मणीपुर थाना पुलिस ने धारा 305(बी) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके चोरी गए मोटरसायकल एवं आरोपी के तलाश में जुटी और मुखबिर की सूचना पर हीरो ग्लैमर मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीएल 0190 के साथ सांडबार पुलिया तरफ घूम रहे अक्षय पटेल पिता पंचम पटेल 21 वर्ष निवासी सिलसिला चौकी रघुनाथपुर थाना लुंड्रा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी का मोटरसायकल जब्त कर लिया है, इसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपये है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। आरोपी पूर्व में चोरी के मामले में थाना गांधीनगर जेल भेजा जा चुका है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, सहायक उप निरीक्षक अनिल सिंह, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र जांगड़े, आरक्षक रामाशंकर यादव, निरंजन बड़ा, अनिल सिंह, उमाशंकर साहू एवं साइबर टीम सक्रिय रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त जारी, 86,930 किसानों के खाते में पहुंचे 17.57 करोड़

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। देश के किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी से योजना की 22वीं किश्त जारी की। इस अवसर पर सरगुजा जिले के 86,930 पात्र किसानों के बैंक खातों में 17.57 करोड़ रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई। कार्यक्रम का प्रसारण जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों, विकासखंड मुख्यालयों, कृषक सुविधा केन्द्रों तथा कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा अम्बिकापुर सहित अन्य स्थानों पर देखा गया, जहां बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे खेती-किसानी के कार्यों में सहूलियत मिल रही है और किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, अजिरमा अंबिकापुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थायी समिति सदस्य नानमणि पैंकरा, कृषि मंत्री के प्रतिनिधि रविन्द्र तिवारी, उप संचालक कृषि पीतांबर सिंह दीवान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा तथा कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान भाई-बहन उपस्थित रहे।

विद्यालय छोटा पर बच्चों के सपने बहुत बड़े-वन्दना दत्ता

विद्या मंदिर के वार्षिकोत्सव में नन्हे बच्चों के थिरके कदम, खूब बजी तालियां

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विद्या मंदिर स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी के मुख्य आतिथ्य व सुरेन्द्र गुप्ता अध्यक्ष विद्या मंदिर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पुष्पा सोनी, सदस्य उपभोक्ता आयोग नवनी कांत दत्ता, विद्या मन्दिर के पूर्व छात्र दीपक यादव पार्षद रहे। सभी अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। स्वागत उद्बोधन में वन्दना दत्ता ने कहा कि यह विद्यालय जरुरतमंद बच्चों के लिए संचालित है। विद्यालय का मुख्य उद्देश्य ऐसे बच्चों को शिक्षा देना है, जो बीच में शिक्षा की धारा से दूर हो जाते हैं, और अपने माता-पिता के साथ उनके मेहनत-मजदूरी वाले स्थल पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस स्कूल में कुछ माताएं अपने बच्चों को विद्यालय परिसर में शाला समय के पहले ही छोड़कर अपने काम में चली जाती हैं, और वापसी में घर ले जाती है। स्कूल में शिक्षा के साथ सुरक्षित परिवेश देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा विद्यालय जरूर छोटा है पर बच्चों के सपने बहुत बड़े हैं। शिक्षिकाएं भी उच्च शिक्षा प्राप्त की हैं, और अल्प मानदेय में निरंतर सेवा दे रही हैं। प्रधानपठिका साधना कश्यप ने विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, और स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के साथ अपने उच्च शिक्षा के सफर से अवगत कराया। उन्होंने विद्यालय की प्रभारी प्रधानपठिका संगीता महापात्र, जयंती, प्रभावती, नंदनी राजपूत के द्वारा स्कूल में आने वाले बच्चों के बीच दी जाने वाली सेवा को सराहा, और बताया कि इस विद्यालय से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करके बच्चे आज अच्छी जगहों पर सेवा दे रहे हैं। उन्होंने कुछ पूर्व छात्रों का परिचय भी कराया, जिसमें मानसी गुप्ता पूर्व छात्र हाईस्कूल में सर्वोच्च अंक प्राप्त की हैं। इसी क्रम में नन्हे बच्चों ने 'तेरी वीणा की बन जाऊं तान' सरस्वती वंदना से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभरम्भ किया। आस्था ठाकुर ने माता-पिता के सम्मान में अपनी बात रखी। छोटे बच्चों ने 'दिल बहल जाता है आपके आ जाने से' की बेहतरीन प्रस्तुति दी। विद्या मंदिर की पूर्व छात्रा आर्या सिंह राजपूत ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। पूर्व छात्र परमजीत सिंह ने मधुर स्वर में 'तुझसे नाराज नही जिंदगी' सुनाया। मिडिल स्कूल के बच्चों द्वारा 'पाश्चात्य भाषा के ऊपर' प्रहसन की प्रस्तुति दी। बच्चो ने 'ये तो सच है कि भगवान है' की प्रस्तुति से सबको भावुक कर दिया। आयोजन में हर प्रदेश के नृत्य, गीत को शामिल करने का प्रयास किया गया था। मराठी, बंगाली, छतीसगढ़ी, उड़ीसा का ओडिसी नृत्य, राजस्थानी नृत्य, सरगुजा का कर्मा नृत्य और अन्य प्रांतों के लोकगीतों पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी। बच्चों के साथ शक्षिकाओं ने भी नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसे सभी ने सराहा। सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि नींव मजबूत रहेगी, तो इमारत मजबूत होगी। विद्या मंदिर में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार दिया जा रहा है, वह सराहनीय है। सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. पुष्पा सोनी, पार्षद दीपक यादव, नवनीकान्त दत्ता, साईं समिति के अध्यक्ष जयेश वर्मा व अभिभावकों ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज की प्रस्तुति में छोटे बच्चों और शिक्षिकाओं का परिश्रम दिख रहा है। स्कूल में शिक्षा के साथ संस्कार भी दिया जा रहा है। इस संस्था से मन से जुड़ाव की अनुभूति होती है। इनके द्वारा बच्चों को उपहार भी दिया गया। समिति के सदस्यो में जया तिवारी, अनुभा डबराल, प्रफुल्ल महापात्र, रंजन खेरपाण्डे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सराहनीय सहयोग दिया। इस दौरान श्रीमती सन्तोस पांडे, आतिशी भट्टाचार्य, ज्योति द्विवेदी, श्रद्धा खेरपाण्डे, अधिवक्ता कल्पना मजुमदार, चन्दना बोस, विजय सालुंके, रेणुका सैनी, प्रीती सालुंके, साईं समिति से जमुना, नंदिनी राजपूत, ममता सिंह, वैष्णवी सिंह, दिव्य कुमार ठाकुर के अलावा काफी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे।

हड़िया पीकर सोया युवक नहीं उठा, तीसरे दिन ले गए अस्पताल, इलाज दौरान हुई मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हड़िया शराब पीने के बाद सोए युवक की जब तीन दिनों तक नींद नहीं खुली तो स्वजन उसे अस्पताल लेकर गए, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। संभावना कीटनाशक सेवन करने की भी बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिले के ग्राम रजना का जिगुन राम पिता स्व. थोयलो राम 46 वर्ष, 10 मार्च को घर में हड़िया शराब पीकर आया था, और सो गया। इसके बाद अगले दो दिन तक वह सोते रह गया, लेकिन किसी ने उसे डिस्टर्ब नहीं किया। तीसरे दिन भी जब वह नहीं उठा तो स्वजन संजीवनी 108 एम्बुलेंस से उसे जशपुर जिला अस्पताल ले गए। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रिफर करने पर 13 मार्च को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 14 मार्च को उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई महावीर राम का कहना है कि उसके भाई के मुंह से झाग निकल रहा था, और कीटनाशक जैसा गंध आ रहा था। बहरहाल पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर